RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 बड़े पर्दे पर दिखेंगी सपना चौधरी...

वर्ष : 26 | अंक : 257 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, रविवार, 08 सितंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण' में 6वें स्थान पर रहा नोएडा

नोएडा (चेतना मंच)। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) के स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024 में नोएडा को सेकेंड कैटेगरी में छठी रैंक मिली है। तीन से दस लाख की जनसंख्या वाले क्षेत्रों में 43 शहरों को रखा गया है। इसमें नोएडा ने अपना स्थान बनाया है। इसमें सबसे अच्छी रैंक उत्तर प्रदेश के चार जिलों रायबरेली, फिरोजाबाद, झांसी और आगरा ने हासिल की है। नोएडा इनसे पीछे है।

पलूशन कंट्रोल बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी उत्सव शर्मा ने कहा कि नोएडा में एयर पलूशन का सबसे बड़ा कारण बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन है। इसे कंट्रोल करने के लिए अथॉरिटी के साथ कदम उठाए जाएंगे। इसी वजह से जिला किसी भी कैटेगरी में टॉप थ्री में रैंक हासिल नहीं कर सका। पिछले साल भी शहर अपनी जगह नहीं बना पाया था। इस साल नोएडा ने छठा स्थान हासिल किया है। पिछले सर्वेक्षण में नाम न आने पर हमने वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए खास कदम उठाए थे। शहर को अन्य एनसीआर क्षेत्रों से फाइनल स्कोर 187 मिला है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण का स्तर कई बार 600 से भी पार हो जाता है। नोएडा के उद्योग सिटी होने के कारण यहां इंडस्ट्री से निकलने वाला धुआं भी हवा को दूषित बनाता है। आए दिन शहर में बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण हो रहा है। निर्माण के दौरान उड़ने वाली धूल, मिट्टी, कार्बन हवा में घुलता है, जिससे हवा का पीएम 2 5 और पीएम 10 अधिक बना रहता है। जो घातक वायु प्रदूषण की श्रेणी में आता है। वहीं, इस बार फरीदाबाद 21वें स्थान पर रहा है, जबकि पिछले साल 47वें स्थान पर था। फरीदाबाद की हवा पहले की तुलना में इस बार शुद्ध हुई है। यह शहरवासियों के लिए राहत की खबर है। गाजियाबाद 22वें स्थान पर रहा है, जबकि पिछले साल 12वें स्थान पर था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव

भाजपा ने की जम्मू-कश्मीर में उम्मीदवारों की 6वीं लिस्ट जारी

- अब तक 57 सीटों के लिए किया कैंडिडेट का ऐलान
- 24 पर मुस्लिमों को मौका

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की छठी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में छह उम्मीदवारों को जगह मिली है, जिनमें से पांच मुसलमान हैं। भाजपा ने करनाह से मो. इदरीस करनाही, हंदवाड़ा से गुलाम मोहम्मद मीर, सोनावारी से अब्दुल राशीद खान, बांदीपोरा से नसीर अहमद लोन, गरेज (एसटी) से फकीर मोहम्मद खान और उधमपुर पूर्वी से आरएस पठानिया को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा ने अब तक 57 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। इनमें से लगभग 24 सीटों पर मुस्लिमों को टिकट दिया है। मुस्लिमों को भाजपा ने जिन सीटों पर उम्मीदवार बनाया है, वे अधिकांश घाटी में स्थित हैं।

जम्मू-कश्मीर के लिए भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत तब मुश्किलों से भरी रही जब उसने 44 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने के कुछ ही घंटों बाद उसे वापस ले लिया। यह कदम पार्टी कार्यकर्ताओं के विरोध के कारण उठाया गया था।

भाजपा कैंडिडेट की अब तक की पूरी लिस्ट

- पंपोर- सैयद शौकत गयूर अंद्राबी
- शोपियां-जावेद अहमद कादरी
- अनंतनाग पश्चिम - मो. रफीक वानी
- अनंतनाग - एडवोकेट सैयद वजाहत
- श्रीगुफवारा-बिजबेहरा - सोफी यूसुफ
- शंगस-अनंतनाग पूर्व - वीर सराफ
- पैडर-नागसेनी - सुनील शर्मा
- भद्रवाह- दलीप सिंह परिहार
- डोडा पश्चिम - शक्ति राज परिहार
- कोकेरनाग - चौ. रोशन हुसैन गुज्जर
- गुलाबगढ़ (एसटी)- अकरम चौधरी
- माता वैष्णो देवी - बलदेव राज शर्मा
- कालाकोटे-सुंदरबनी - ठा. रणधीर सिंह
- बुद्धल (एसटी)- चौ. जुल्फिकार अली
- थन्नामंडी (एसटी)- मो. इक़बाल मलिक
- सुरनकोट (एसटी)- सैयद मुश्ताक
- पुंछ हवेली - चौधरी अब्दुल गनी
- मेंढर (एसटी) - मुर्तजा खान
- उधमपुर पश्चिम - पवन गुप्ता
- चेनानी - बलवंत सिंह मनकोटिया
- रामनगर (एससी)-सुनील भारद्वाज
- हीरानगर- एड. विजय कुमार शर्मा
- रामगढ़ (एससी)- डॉ. देविंदर कुमार
- सांबा - सुरजीत सिंह सलाथिया
- विजयपुर-चन्द्र प्रकाश गंगा
- सुचेतगढ़ (एससी)- घारू राम भगत
- आर.एस. पुरा-डॉ नरिंदर सिंह रैना
- जम्मू पूर्व - युद्धवीर सेठी
- नगरोटा - डॉ. देविंदर सिंह राणा
- जम्मू पश्चिम-अरविंद गुप्ता
- जम्मू उत्तर - शाम लाल शर्मा
- अखनूर (एससी)- मोहन लाल भगत
- लाल चौक - इंजी. ऐजाज़ हुसैन
- खानसाहब- डॉ. अली मोहम्मद मीर
- चरार-ए-शरीफ - जाहिद हुसैन
- राजौरी (एसटी)- विबोध गुप्ता
- चन्नापोरा- हिलाल अहमद वाणी
- हंदवाड़ा- गुलाम मोहम्मद मीर
- सोनावारी- अब्दुल राशीद खान
- गरेज (एसटी)- फकीर मोहम्मद खान
- उधमपुर पूर्वी- आरएस पठानिया

आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की 90 सीटें हैं। इनमें से 7 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) और 9 अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित हैं। पिछले विधानसभा चुनावों में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने 28 सीटें जीती थीं। भाजपा ने 25, जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) ने 15 और कांग्रेस ने 12 सीटें जीती थीं।

जम्मू और कश्मीर में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को तीन चरणों में मतदान होगा, जिसके नतीजे 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। कांग्रेस ने यहां चुनाव लड़ने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन किया है।

सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य शुरू, दो महीने तक चलेगा काम

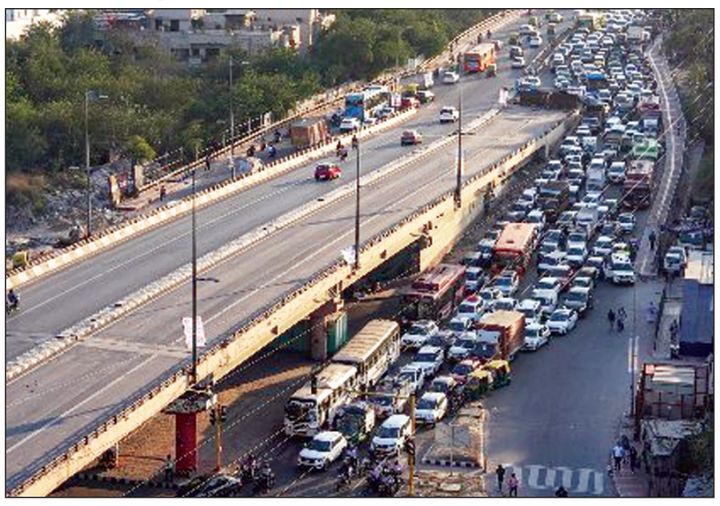

नई दिल्ली, एजेंसी। सरिता विहार फ्लाईओवर की मरम्मत का काम शुरू होने में अभी कुछ समय लगेगा। इसका काम शुरू होने से पहले लोक निर्माण विभाग को फिर से एडवाइजरी जारी करनी होगी। इसके लिए विभाग ने यातायात पुलिस से अनुमति मांगी है। अनुमति मिलने के बाद एडवाइजरी प्रकाशन के लिए विभाग दिल्ली सूचना एवं प्रचार विभाग के पास फाइल भेजेगा है। जिस पर यह विभाग एडवाइजरी जारी करेगा। यह एडवाइजरी यातायात पुलिस की एडवाइजरी से अलग होगी।

एडवाइजरी में विभाग को इस फ्लाईओवर का उपयोग करने से बचने के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जिससे लोगों को इस फ्लाईओवर एक तरफ का यातायात बंद होने से लोगों को होने वाली परेशानी को कम किया जा सके। इससे पहले जुलाई में एडवाइजरी जारी हो चुकी है, मगर कांवड़ यात्रा के चलते तब काम शुरू नहीं हो सका था।

इससे पहले बीते जून में यातायात पुलिस ने अनुमति देने के बाद भी इस फ्लाईओवर की मरम्मत का काम इसलिए रुकवा दिया था, क्योंकि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए एडवाइजरी जारी नहीं की थी।

सरिता विहार फ्लाईओवर पर रोजाना लाखों वाहन दिल्ली-फरीदाबाद के बीच चलते हैं।

ग्रेटर नोएडा के एक ढाबे पर थूक लगाकर रोटियां बनाता वीडियो वायरल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक ढाबे पर थूक लगाकर रोटियां बनाए जाने पर लोगों ने हंगामा किया। आरोपी ढाबा संचालक की इस हरकत की सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने आरोपी ढाबा संचालक चांद के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो के मुताबिक, कस्बे के रबूपुरा-भाईपुर मार्ग पर एक ढाबा है। ढाबे पर थूक लगाकर रोटियां बनाईं जा रही थीं, जिसे देखकर ढाबे पर खाना खा रहे लोगों ने हंगामा किया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

एडीसीपी ग्रेटर नोएडा अशोक कुमार का कहना है कि इस घटना में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कस्बा निवासी चांद को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ढाबे को बंद कराने की मांग की है। वीडियो वायरल होने के बाद घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को बताई गई। लोगों ने पुलिस से कार्रवाई करने की मांग की। बताया जा रहा है कि इस मामले में सामने आए एक युवक ने नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से शिकायत की है।

मथुरा में यूपी पुलिस के सिपाही को मारी गोली, हालत गंभीर

मथुरा,एजेंसी। मथुरा के सदर बाजार थाने के सैन्य क्षेत्र स्थित टैंक चौराहा के पास बदायूं में तैनात सिपाही को उसके परिचितों ने झगड़े के दौरान गर्दन में गोली मार दी। घटना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है । घायल सिपाही को महिला थाना इंस्पेक्टर रंजना सचान ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उसे हालत गंभीर होने पर एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया है।

सूचना पर एसएसपी, एसपी सिटी समेत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीम लगातार दबिश रही है। शनिवार देर रात बदायूं जिले में तैनात सिपाही अजीत पुत्र कमल सिंह निवासी रोशन विहार कॉलोनी लक्ष्मी नगर थाना जमुनापार का चार नामजद युवकों से झगड़ा हो गया था। ये सभी आपस में परिचित बताए जाते है।

झगड़े के दौरान अनिल चौधरी नामक युवक ने अंटी से तमंचा निकालकर सिपाही पर फायरिंग कर दी। गोली सिपाही के गर्दन में जा लगी। गोली लगते ही वह लहुलुहान हालात में सड़क पर गिर पड़ा। इस बीच क्षेत्र में भ्रमण कर रही महिला थाना प्रभारी निरीक्षक रंजना सचान वहा गस्त के दौरान पहुंच गई। वह घायल सिपाही के साथी सौरभ पुत्र वासुदेव व अनूप पुत्र चंद्रपाल निवासीगढ़ प्रीति विहार कॉलोनी थाना जमुनापार के साथ उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गई। एसएसपी शैलेश पांडेय ने बताया कि घायल अजीत जनपद बदायूं में पुलिस में आरक्षी के पद पर तैनात है।

घायल अजीत के साथी अनूप ने बताया कि चार आरोपियों में से तीन को पहचानता है जिसमें तीन आरोपी टेंपो चालक है और एक सरकारी नौकरी में तैनात है। बताया जाता है कि घायल सिपाही और नामजद युवकों के बीच घटना के पहले झगड़ा हुआ था और फोन पर भी काफी कहासुनी हुई थी। रात को भी टैंक चौराहे पर मिलने आए आरोपियों का घायल से काफी झगड़ा हुआ था।

फरार चल रहे महंत मुकेश गोस्वामी पर अब एक लाख का ईनाम

गाजियाबाद। मुरानगर गंगनहर के शनि मंदिर के महंत मुकेश गोस्वामी को गाजियाबाद पुलिस साढ़े तीन माह गुजर जाने के बाद भी काबू नहीं कर पाई है। गंगनहर पर नहाने आने वाली महिलाओं को चेंजिंग रूम में कपड़े बदलते देखने का आरोपी महंत 23 मई से फरार है। महंत ने इस काम के लिए महिलाओं के चेंजिंग रूम में कैमरा फिट कराया हुआ था। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में पांच दिन की रिकॉर्डिंग मिली थी। केवल दो दिन का डेटा खंगालने पर पुलिस ने 75 महिलाओं के कैमरे में कैद होने की बात कही थी। पुलिस ने महंत की गिरफ्तारी पर उस समय 25 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया गया था, लेकिन महंत का कहीं कुछ पता नहीं चला। चेंजिंग रूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने के मामले में साढ़े तीन माह से फरार चल रहे शनि मंदिर के महंत मुकेश गोस्वामी पर पुलिस ने एक लाख रुपये का ईनाम घोषित किया है।

कपड़े की फैक्ट्री में लगी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के बक्करवाला इलाके में आज सुबह एक कपड़ा फैक्ट्री में आग लग गई। दो मंजिला इमारत की पहली मंजिल से धुएं का घना गुबार और तेज लपटें निकलती देखी गईं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

इस संबंध में दिल्ली अग्निशमन सेवा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाहरी दिल्ली के बक्करवाला इलाके में राजीव रत्न आवास के पास एक कपड़े की फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना पर मौके पर पच्चीस दमकल गाड़ियां भेजी गईं और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है।

डिप्टी फायर ऑफिसर एमके चट्टोपाध्याय ने बताया, हमारे रिकॉर्ड के मुताबिक, रविवार सुबह 6:55 बजे यहां आग लगी। यह एक कमर्शियल गोदाम सह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है। मौके पर एलपीजी सिलेंडर में भी विस्फोट हुआ।

आग लगने की वजह का अभी तक पता नहीं चल सका है। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। मामले में ज्यादा जानकारी जुटाई जा रही है।

बिजली के पोल से टकराई कार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

सूरजपुर थाना क्षेत्र के 130 मीटर रोड पर आज सुबह एक इलेक्ट्रिक कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन कार का आगे का हिस्सा बुरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

हादसा सूरजपुर थाना क्षेत्र के 130 मीटर रोड पर हुआ, जहां तेज गति से चल रही टाटा पंच इलेक्ट्रिक कार के ड्राइवर ने अचानक नियंत्रण खो दिया। कार सीधी बिजली के पोल से जा टकराई। जिससे जोरदार धमाके की आवाज आई।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची। हादसा बेहद भयानक था, लेकिन एयरबैग खुलने से ड्राइवर की जान बच गई और उसे गंभीर चोटें नहीं आईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

खुशखबरी: सुपरटेक के 17 प्रोजेक्ट को 3 फेज में पूरा करने का प्रस्ताव, सुप्रीम कोर्ट से मिलेगी फाइनल मंजूरी!

नोएडा, ग्रुरुग्राम, मेरठ और उत्तराखंड में अधूरे हैं सुपरटेक के 17 प्रोजेक्ट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सुपरटेक की अधूरी 17 परियोजनाओं को तीन फेज में पूरा करने के लिए प्रस्ताव बनाकर नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनबीसीसी) ने दिया है। प्रस्ताव पर फाइनल मंजूरी सुप्रीम कोर्ट से मिलेगी। यह अधूरे प्रोजेक्ट नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, मेरठ और उत्तराखंड में हैं। बिल्डर के दिवालिया घोषित होने से यह मामला अब कोर्ट के अधीन हैं।

बता दें सुपरटेक की अलग-अलग परियोजनाओं में 15 हजार से ज्यादा खरीदार घर मिलने की राह देख रहे हैं। बिल्डर ने समय पर परियोजनाओं को पूरा नहीं किया। एक दशक से अधिक समय में लोगों को बुक किए घर नहीं मिल सके।

बिल्डर दिवालिया घोषित हो चुका है। परियोजनाओं में निर्माण कार्य बंद है। मामला अदालत में विचाराधीन है। एनबीसीसी ने सुपरटेक की अधूरी परियोजनाओं को तीन फेज में पूरा करने का प्रस्ताव दिया है।

पहले फेज में नोएडा की रोमानो, केपटाउन, इकोसिटी और ग्रेटर नोएडा की इकोविलेज-दो, सीजार, इकोविलेज-तीन, स्पोर्ट्स विलेज समेत सात परियोजनाओं को शामिल किया गया है।

दूसरे फेज में नोएडा की नार्थआई, ग्रेटर नोएडा की अपकंट्री, इकोविलेज-एक और मेरठ की मेरठ स्पोर्ट्स सिटी, ग्रीन विलेज मेरठ को शामिल किया गया है।

तीसरे फेज में गुरुग्राम की हलटाउन, अराविले, उत्तराखंड की रिवरक्रस्ट, दून स्क्वायर और बैंगलौर की मिकासा को शामिल किया है। सुप्रीम कोर्ट से एनबीसीसी द्वारा दिए गए फाइनल प्रस्ताव की मंजूरी मिलेगी।

वैमनस्य की आवाजें

आबादी के घनत्व में फैलता शिमला शिकायत करता है या इस तारीख पर धर्म की मंजिलें गुनहगार हैं। शिमला मस्जिद विवाद हर तरह की तहजीब पर प्रश्न उठा रहा है। कानून के गोरे काले ढूंढ कर वैमनस्य का उद्गार कर रहा है। सैकड़ों आवाजें उठ खड़ी हुईं और जय-विजय के उद्घोष में कानून की आंतडियों का मुआयना कई दिशाओं में शोर सुनने लगा। एक अवैध निर्माण के माले पर आकर अगर सांसद असदुद्दीन ओवैसी बैठ जाए, तो फिर विवाद नहीं, यह टकराव हो सकता है। संजौली के हिस्से में न धर्म की आंख और न ही अवैध निर्माण की लगाम आई और यह चिंता का विषय है। यहां पाप-पुण्य का फैसला धर्म कतई नहीं कर सकता, बल्कि गुनाहों का बद किरदार या तो नगर निगम शिमला की करतूतों में छिपा है या शहरी विकास की आचार संहिता में इतने छेद हैं कि वर्षों से जारी अवैध निर्माण की परिपाटी किसी को नजर नहीं आई। अब अगर दो समुदायों के बीच टकराव जैसे हालात पैदा किए जा रहे हैं, तो सत्ता को भी कानून के रास्ते बुलंद करने पड़ेंगे। सरकार के एक मंत्री बेशक जन सैलाब की नुमाइंदगी में इंगित हुआ है, लेकिन मस्जिद पर अगर अनैतिक सीमेंट चढ़ा है, तो उसके लिए व्यवस्था ही जिम्मेदार मानी जाएगी। ऐसे में टीसीपी महोदय किन फाइलों में गुम रहे या नगर निगम चुनावों में हार-जीत गिनने वाले चेहरे क्यों गौण हुए। यह निर्माण उस समय ही क्यों नजर आया जब दो समुदायों के बीच झड़प हुई या जब आंदोलित संवेदना सडक पर आई, तो ही व्यवस्था क्यों होश में आई। वैसे बेहोशी के आलम में हिमाचल की कई गलियां सो रही हैं और कहीं दबाव और कहीं प्रभाव से अवैध निर्माण जारी है। शिमला विवाद का हल न धार्मिक संगठन और न ही ओवैसी जैसे सांसद कर सकते और अगर यह दस्तूर बन गया, तो हिमाचल में ऐसे कई निशान, धार्मिक स्थान व इल्जाम हैं जो अग्रिम मोर्चे पर आ जाएंगे। अगर 34 शहरी विकास योजनाओं में से ग्यारह अर्थहीन हो गई हैं, तो समझ लेना चाहिए कि अतिक्रमण के नीचे बारूद खड़ा है। नगर नियोजन विभाग को विभिन्न सरकारों और माननीयों के राजनीतिक व्यवहार ने सजा दी है। प्रदेश में कुछ शहरी निकायों की जद में आ रहे गांवों को टीसीपी के तहत लाने की कोशिशों को खुर्द-बुर्द करने की दलीलें, अगर विधायक दे रहे हैं, तो भविष्य के खतरे ऐसे सोच के कांटों पे उगे हैं। प्रदेश सरकार को यह साबित करना होगा कि मस्जिद की लंबाई-चौड़ाई में धर्म की आड़ छुपी है या नगर निगम की नजरअंदाजी ने खता की है। जो भी हो, हिमाचल के माहौल में ऐसी तल्खियों की गुंजाइश नहीं है और न ही ओवैसी को जवाब देने का तर्क पैदा होता है। हिमाचल में मजहब से ऊपर तहजीब के आदर्श और शांति की परंपराएं निवास करती हैं। यहां का लोकतांत्रिक आचरण धर्म के पैबंद नहीं ओढ़ता, बल्कि हर चुनाव में व्यवस्था के प्रश्न गूंजते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री की ओर से दिया गया आश्वासन कम से कम प्रदेश की चिंता में शरीक होकर, अमन की दुहाई दे रहा है। भले ही सरकार के एक मंत्री की भूमिका का आकार बड़ा व उनकी प्रशंसा का दायरा और भी बड़ा हो रहा है, लेकिन देखना यह है कि ऐसे अतिक्रमण पर कानून के हथौड़े कितने मजबूत और प्रभावशाली होते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ब्रह्म का निरूपण, धर्म का विधान और तत्त्वों के विभाग का वर्णन करते हैं तथा ज्ञान-वैराग्य से युक्त भगवान की भक्ति का कथन करते हैं।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

एहि प्रकार भरि माघ नहाहीं। पुनि सब निज निज आश्रम जाहीं॥

प्रति संबत अति होइ अनंदा। मकर मज्जि गवनहिं मुनिबृंदा॥

इसी प्रकार माघ के महीनेभर स्नान करते हैं और फिर सब अपने-अपने आश्रमों को चले जाते हैं। हर साल वहाँ इसी तरह बड़ा आनंद होता है। मकर में स्नान करके मुनिगण चले जाते हैं॥

एक बार भरि मकर नहाए। सब मुनीस आश्रमन्ह सिधाए॥

जागबलिक मुनि परम बिबेकी। भरद्वाज राखे पद टेकी॥

एक बार पूरे मकरभर स्नान करके सब मुनीश्वर अपने-अपने आश्रमों को लौट गए। परम ज्ञानी याज्ञवल्क्य मुनि को चरण पकड़कर भरद्वाजजी ने रख लिया॥

सादर चरन सरोज पखारे। अति पुनीत आसन बैठारे॥

करि पूजा मुनि सुजसु बखानी। बोले अति पुनीत मृदु बानी॥

आदरपूर्वक उनके चरण कमल धोए और बड़े ही पवित्र आसन पर उन्हें बैठाया। पूजा करके मुनि याज्ञवल्क्यजी के सुयश का वर्णन किया और फिर अत्यंत पवित्र और कोमल वाणी से बोले-॥

(क्रमशः..)

मुफ्त की संस्कृति से पंजाब-हिमाचल की बढ़ी आर्थिक मुश्किलें

दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सम्मुख वित्तीय संकट के धुंधलके छाने लगे हैं। सत्ता पर बैठी आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस की सरकारों के सामने चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के लिए की गयी फ्रीबीज या रेवड़ी कल्चर की घोषणा आर्थिक संकट का बड़ा कारण बन रही है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने एवं लोक-लुभावन घोषणाओं के कितने भारी नुकसान होते हैं, इस बात को दिल्ली, पंजाब व हिमाचल सरकारों के सामने खड़ी हुई वित्तीय परेशानियों से समझा जा सकता है। इन सरकारों के लगातार बढ़ते राजस्व घाटा व बड़ी होती देनदारियां राज्य की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ रही हैं। विकास योजनाओं को तो छोड़े, इन राज्यों में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को समय पर पेंशन देने में मुश्किलें आ रही हैं। इन जटिल होती स्थितियों को लेकर 'रेवड़ी कल्चर' पर न्यायालय से लेकर बुद्धिजीवियों एवं राजनीति क्षेत्रों में व्यापक चर्चा है। पंजाब के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की हालिया रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय प्राप्तियों और खर्चे के बीच बढ़ते राजकोषीय अंतर को उजागर किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुक्त की संस्कृति पर तीखे प्रहार करते हुए इसे देश के लिए नुकसानदायक परंपरा बता चुके हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने भी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के चलन पर गंभीर चिंता जता चुके हैं। नीति आयोग के साथ रिजर्व बैंक भी मुफ्त की रेवड़ियों पर आपत्ति जता चुका है, लेकिन राजनीतिक दलों पर कोई असर नहीं है।

कैग की रिपोर्ट बताती है कि कैसे पंजाब राज्य का राजस्व घाटा, सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 1.99 फीसदी लक्ष्य के मुकाबले 3.87 फीसदी तक जा पहुंचा है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि राज्य का सार्वजनिक ऋण जीएसडीपी का 44.12 फीसदी हो गया है। यदि अब भी सत्ताधीश वित्तीय अनुशासन का पालन नहीं करते एवं मुक्त की सुविधाएं देने से बाज नहीं आते तो निश्चित ही राज्य को बड़ी मुश्किल की ओर धकेलने जैसी बात होगी। जिसका उदाहरण सामने है कि बीते माह का वेतन निर्धारित समय पर नहीं दिया जा सका है। इसके बावजूद सत्ता पर काबिज नेता मुफ्त की रेवड़ियों को बांटने का क्रम जारी रखे हुए हैं तो उसकी कीमत न केवल टैक्स देने वालों को चुकानी पड़ रही है बल्कि आम लोगों के जीवन पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य का खर्चा जहां 13 प्रतिशत की गति से बढ़ रहा है, वहीं राजस्व प्राप्तियां 10.76 फीसदी की दर से बढ़ रही हैं। जाहिर है, ये अंतर राज्य की आर्थिक बदहाली, आर्थिक असंतुलन एवं आर्थिक अनुशासनहीनता की तस्वीर ही उकेरता है। दिल्ली से लेकर पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारें हों या हिमाचल प्रदेश से लेकर अन्य राज्यों में कांग्रेस की सरकारें तमाम तरह की मुफ्त की रेवड़ियां बांट कर भले ही वोट बैंक को अपने पक्ष में करने का स्वार्थी खेल खेला जा रहा हो, लेकिन इससे वित्तीय बजट लडखड़ाने ने इन राज्यों के लिये गंभीर चुनौती बन रहा हैं। दरअसल, जिस भी नागरिक सुविधा को मुफ्त किया जाता है, उस विभाग का तो भट्टा बैठ जाता है। फिर उसका आर्थिक संतुलन कभी नहीं संभल पाता। कैग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि पंजाब में एक निर्धारित यूनिट तक मुफ्त बिजली बांटे जाने से राज्य के अस्सी

फीसदी घरेलू उपभोक्ता मुफ्त की बिजली इस्तेमाल कर रहे हैं। ये और ऐसी ही अन्य मुफ्त सुविधाओं की भरमार के कारण सरकारों के सामने अपने कर्मियों को समय पर वेतन देने के लिये वित्तीय संकट है, जबकि वेतन पर आश्रित कर्मियों को राशन-पानी, बच्चों की स्कूल की फीस व लोन की ईएमआई आदि समय पर चुकाने में दिक्कत हो रही है। इन जटिल होते हालातों को देखते हुए अपेक्षा है कि राजनेता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिये सब्सिडी की राजनीति एवं मुफ्त की संस्कृति से परहेज करें और वित्तीय अनुशासन से राज्य की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास करें। जब भी ऐसी लोक-लुभावन घोषणाएं की जाती हैं तो उन दलों को अपने घोषणापत्र में यह बात स्पष्ट करनी चाहिए कि वे जो लोकलुभावनी योजना लाने जा रहे हैं, उसके वित्तीय स्रोत क्या होंगे? कैसे व कहां से यह धन जुटाया जाएगा? साथ ही जनता को भी सोचना चाहिए कि मुफ्त के लालच में दिया गया वोट कालांतर उनके हितों पर भारी पड़ेगा। जनता को गुमराह करते हुए, उन्हें ठगते हुए देश में रेवड़ियां बांटने का वादा और फिर उन पर जैसे-तैसे और अक्सर आधे-अधूरे ढंग से अमल का दौर चलता ही रहता है। लोकलुभावन वादों को पूरा करने की लागत अंततः मतदाताओं को खासकर करदाताओं को ही वहन करनी पड़ती है-अक्सर करों अथवा उपकरों के रूप में। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव के समय मुफ्त रेवड़ियां देने के मुद्दे को उठाते हुए कहा था कि कई राज्यों ने अपनी वित्तीय स्थिति की अनदेखी करते हुए मुफ्त की सुविधाएं देने का वादा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कुछ समय पहले उन दलों को आड़े हाथों लिया था, जो वोट लेने के लिए मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करते हैं। उनका कहना था कि रेवड़ी बांटने वाले कभी विकास के कार्यों जैसे रोड, रेल नेटवर्क आदि का निर्माण नहीं करा सकते। वे अस्पताल, स्कूल और गरीबों के घर भी नहीं बनवा सकते। रेवड़ी संस्कृति अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए घातक भी साबित होती है। इससे मुफ्तखोरी की संस्कृति जन्म लेती है। मुफ्त की सुविधाएं पाने वाले तमाम लोग अपनी आय बढ़ाने के जतन करना छोड़ देते हैं। पंजाब में महिलाओं को नगद राशि देने की घोषणा हुई, जबकि वहां की महिलाएं समृद्ध है। दिल्ली में उन महिलाओं को भी डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा दी गई है, जिन्हें इस तरह की सुविधा की जरूरत नहीं। आधी आबादी को मुफ्त यात्रा की सुविधा देने से दिल्ली में डीटीसी को हर साल 15 करोड़ रुपये तक का नुकसान होगा। इस राशि का उपयोग दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर किया जा सकता है। मुफ्तखोरी की राजनीति से देश का आर्थिक बजट लडखड़ाने का खतरा है। और इसके साथ निष्क्रियता एवं अकर्मण्यता को बल मिलेगा। हिंदुस्तान में लोगों को बहुत कम में जीवन निर्वहन करने की आदत है ऐसे में जब मुफ्त राशन, बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा मिलेगा तो काम क्यों करेंगे।

'गरीब की थाली में पुलाव आ गया है, लगता है शहर में चुनाव आ गया है' भारत की राजनीति से जुड़ी विसंगतियों एवं विडम्बनाओं पर ये दो पंक्तियां सटीक टिप्पणी हैं। चुनाव आते ही वोटरों को लुभाने के लिए जिस तरह राजनीतिक दल और उनके नेता वायदों की बरसात करते हैं, यह शासन-व्यवस्थाओं को गहन अंधेरों में धकेल देता है। मुफ्त की संस्कृति को कल्याणकारी योजना का नाम देकर राजनीतिक लाभ की रोटियां सेंकी जाती रही है। भारत जैसे विकासशील देश के लिये यह मुक्त संस्कृति एक अभिशाप बनती जा रही है। सच भी है कि मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग आज भी इस स्थिति में है कि कथित तौर पर मुफ्त या सस्ती चीजें उसके वोट के फैसले को प्रभावित करती हैं। मुफ्त 'रेवड़ी' व कल्याणकारी योजनाओं में संतुलन कायम करना आवश्यक है, परंतु वोट खिसकने के डर से राजनीतिक दल इस बारे में मौन धारण किये रहते हैं, बल्कि न चाहते हुए भी इसे प्रोत्साहन भी देते हैं। फ्रीबीज' या मुफ्त उपहार न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में वोट बटोरने एवं राजनीतिक धरातल मजबूत करने का हथियार हैं। मुफ्त उपहार के मामले में कोई भी देश पीछे नहीं है। ब्रिटेन, इटली, जर्मनी, फ्रांस, डेनमार्क, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश, मलेशिया, कनाडा, अंगोला, कीनिया, कांगो, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया सहित अनेक देश इस दौड़ में शामिल हैं। विकसित देश जहां अपनी जीडीपी का 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक लोककल्याण योजनाओं में खर्च करते हैं, तो विकासशील देश जीडीपी का 3 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक फ्रीबीज के नाम पर खर्च कर देते हैं। भारत में अब जब न्यायालय की चौखट पर यह मुद्दा विचाराधीन है, तो संभावना है कि सरकार पर अनावश्यक आर्थिक भार डालने वाली घोषणाओं पर नियंत्रण को लेकर कोई राह भारत ही दुनिया को दिखाए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

उत्तराखण्ड में हो रहे सांप्रदायिक अपराध और उसका निराकरण

श्यामपुर उत्तराखण्ड का एक सुंदर सा गाँव हैं। वहाँ सभी लोग सुख-शांति से अपना जीवन यापन कर रहे होते हैं। अचानक वहां गाँव के किनारे पर एक फ़क़ीर आकर मिट्टी का एक ढेर बनाता है उस पर चादर डालता है और फिर उसके बग़ल में एक झोपड़ी बनाकर रहने लग जाता है। अब श्यामपुर के लोग आते जाते लोगों को वह फ़क़ीर या मज़ार का ख़ादिम बहलाता-फुसलाता है और लोग वहाँ माथा टेकने लगते हैं। लोगों की श्रद्धा को बढ़वाकर वह ख़ादिम दूसरे चरण में भोले-भाले ग्रामीणों से कहता है कि वे अपने खेत में ही एक छोटे से कोने कहीं मज़ार बना देंगे तो वह आकर उस मज़ार पर नमाज़ पढ़कर उसे भी सिद्ध बना देगा। ख़ादिम के बहकावे में आकर वह ग्रामीण ऐसा ही करता है और अपने खेत में मज़ार बनाकर वहाँ प्रतिदिन दिया-बत्ती करने लग जाता है। लोगों का आना जाना बढ़ता है तो वहाँ एक दानपेटी रख दी जाती है। अब ख़ादिम हर सप्ताह आकर उस दानपेटी से राशि निकालकर ले जाता है। शनैः-शनैः वह ख़ादिम, उसी ग्रामीण के पैसों से मज़ार पर टिन डलवा देता है उसे पक्का निर्माण करवा देता है। इधर मज़ार पर लोगों का आना-जाना बढ़ता है उधर गाँव में कुछ और मुस्लिम परिवार आकर बसने लगते हैं और मज़ारें भी बढ़ने लगती है। अचानक गाँव में लव जिहाद की घटनाएँ बढ़ने लगती हैं। गाँव की लड़कियों मुस्लिम लड़कों के झाँसे में आकर अपना सर्वस्व उन्हें सौंपने लगती है। अब गाँव में कभी गर्भस्थ होने से, कभी इज्जत के डर से, कभी मज़ार के ख़ादिम के नाराज़ होने के डर से तो कभी बाहुबल के सहारे हिंदू लड़कियां मुस्लिम लड़कों से निकाह करने लगती हैं। कभी-कभी तो इस कार्य में हिंदू लड़कियों के परिवार भी दबाव में आकर सहमति देने लगते हैं।

इस कथा में केवल गाँव का नाम काल्पनिक है बाक़ी सब जो लिखा है वह उत्तराखण्ड के कई-कई ग्रामों की स्थिति का सच्चा कच्चा-चिट्ठा है। उत्तराखण्ड में लैंड जिहाद, लव जिहाद, मतांतरण, व्यापार जिहाद इसी प्रकार हज़ारों ग्रामों में अपने पैर पसार चुका है।

इस प्रकार की घटनाओं के बढ़ते जाने पर उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह धामी की सरकार इन घटनाओं का संज्ञान लेती है और स्थिति को समझती है। बात बहुत आगे बढ़ चुकी होती है किंतु पुष्कर सिंह इसे अपनी तेज कार्य योजना से रोकने का प्रयास कर रहे हैं। उत्तराखण्ड सरकार का बुलडोज़र चलने लगता है और ऐसी सैकड़ों नक़ली मज़ारों पर बुलडोज़र चलाकर मज़ारों को ध्वस्त करके मज़ार के आसपास क़ब्ज़ा की गई सैंकड़ों-हज़ारों एकड़ ज़मीन को भी इन ख़ादिमों से मुक्त कराता है।

अब शासन-प्रशासन के देखने में यह भी आता है कि शासकीय ही नहीं बल्कि निजी ज़मीन पर भी ये दिखावटी और अपराधी प्रकार के ख़ादिम मज़ारों के सहारे क़ब्ज़ा किए बैठे होते हैं। इन ज़मीनों के हिंदू जनजातीय स्वामी इन अपराधी ख़ादिमों के बहकावे में आकर, जिन्न-जिन्नात के प्रकोप के भय से अपनी ज़मीनें, पैसा, लड़कियां सब कुछ इन अपराधी ख़ादिमों को दे रहे होते हैं। पिछले दिनों देहरादून

के समीप पछुवा नामक ग्राम में ऐसे दो प्रकरण देखने में आए थे, जब अवैध मजार को हटाने गये प्रशासन को हिंदू समाज के जनजातीय और अनुसूचित जाति के लोगों ने रोकने का प्रयास किया। इन भोले-भाले हिंदू ग्रामीणों का कहना था कि ये मज़ारें तो उन्होंने स्वयं अपनी मन्नत पूर्ण होने पर बनवाई है। प्रशासन जब मामले की गहराई में गया तो ग्रामीणों ने बताया कि- उनको किसी कष्ट के निवारण के लिए ख़ादिम ने मजार पर बुलाया तो वे गये थे। इसके बाद वहाँ के ख़ादिम ने उन्हें बहला-फुसलाकर मन्नत करवा ली और उनसे कहा कि आप की इच्छा पूरे होने पर चादर चढ़ाना और अपनी जमीन पर बाबा का मजार बनवा देना फिर आपको इतनी दूर यहाँ आने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी और मज़ार के कारण आपका खेत भी दोगुनी उपज देने लगेगा। कहीं-कहीं तो इन अपराधी ख़ादिमों ने भोले-भाले ग्रामीणों से उनके मंदिरों को ही मज़ार में बदल देने और पूजा पद्धति को बदलने हेतु भयभीत करके तैयार करवा लिया था। कई स्थानों पर निजी ज़मीनों पर बनी इन मज़ारों के पास अन्य मुस्लिम परिवार मित्र बनकर बस जाते और इसके बाद सभी प्रकार के अपराध वहाँ होने लगते। भोले भाले जनजातीय और अनुसूचित जाति के हिंदू ग्रामीण अपनी ज़मीन और लड़कियों को अपने हाथों से छूटते हुए देखते और हाथ मलते ही रह जाते थे।

उत्तराखण्ड की पुलिस ने जब इन मज़ारों की जाँच की तो इसके पीछे एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की बात सामने आई। यह गिरोह बेरोज़गार मुस्लिमों को ख़ादिमों के कपड़े पहनवाकर, थोड़ा-बहुत बोलने और झाड़ने फूंकने का प्रपंच सिखाकर लैंड जिहाद व लव जिहाद हेतु तैयार करवाकर इस प्रकार की घटनाएँ करवाता था और बड़ी मात्रा में आस्था के नाम पर लोगों से पैसा भी निकलवा लेता था। बड़ी संख्या में इन मज़ारों पर हिंदू बंधु जाने लगते और धन, संपत्ति, ज़ेवर, खाद्यान्न, फल आदि चढ़ाने लगते। इस चढ़ावे से फलते-फूलते वहाँ के ख़ादिम अपनी मज़ार की दूसरी-तीसरी-चौथी ब्रांच खोलते जाते थे। कालू शाह, भूरे शाह, बुल्ले शाह और न जाने कौन-कौन से शाहों के नाम पर पर ये मज़ारें बनाई जाती और कमाई होने पर यहाँ के अपराधी ख़ादिम बग़ल के गाँव में जाकर अपनी फ्रेंचायजी जैसी एक और मज़ार बनवा लेते थे।

उत्तराखण्ड की पुष्कर सिंह सरकार पर आरोप लग रहें है कि वह दुराग्रह पूर्वक मज़ारों पर बुलडोज़र चला रही है, किंतु सच्चाई कुछ और ही है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के 20 जून 2009 के निर्णय के अनुसार कोई भी धार्मिक स्थल का निर्माण, पुनर्निर्माण या जीर्णोद्धार बिना जिला कलेक्टर की अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है। भूमि के दस्तावेज की प्रति के साथ कलेक्टर को आवेदन देकर और अनुमति लेकर ही यह कार्य किया जा सकता है। पुष्कर सिंह धामी ने इसी न्यायलीन आदेश का पालन करते हुए तीन सौ से अधिक अवैध मज़ारों को ध्वस्त किया है। ऐसे पचासों मंदिरों को और एक गुरुद्वारे को भी धामी सरकार ने तोड़ दिया है और शासन की पाँच हज़ार एकड़ ज़मीन को 'लैंड जिहाद' से मुक्त कराया है। उत्तराखण्ड राज्य सरकार ने मई 2023 तक कुल मिलाकर 3,793 ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां मज़ारों के माध्यम से लैंड जिहाद किया गया है। नैनीताल आश्चर्यजनक रूप से इस कुचक्र का शीर्ष है जहां चौदह सौ तैतीस स्थान और हरिद्वार भी जहां साढ़े ग्यारह सौ स्थानों पर अतिक्रमण करके मज़ारों के सहारे क़ब्ज़े किए गए थे। और भी ज़िलों में यह कहानी बड़े स्तर पर सामने आई है। उत्तराखण्ड में ऐसे अवैध ढाँचों के सहारे लगभग बारह हज़ार हेक्टेयर भूमि अब भी इन कथित ख़ादिमों के पास है, जिसे मुक्त कराया जाना है।

विशेष बात यह है कि उत्तराखंड में इस अभियान को सांप्रदायिक कहकर पुष्कर सिंह सरकार के विरुद्ध वातावरण तैयार किया जा रहा है। मुस्लिम समाज का प्रबुद्ध, धनाड्य वर्ग व मज़हबी नेता भी मज़ारों के माध्यम से अपराध कर रहे इन तथाकथित ख़ादिमों की आलोचना नहीं कर रहें है। मुस्लिम समाज के प्रबुद्ध व अमनपसंद नागरिकों, नेताओं व मज़हबी नेताओं को इस दिशा में आगे आना चाहिये व मज़हब के नाम पर अपराध कर रहे इन लोगों के विरुद्ध फ़तवा जारी करवाना चाहिये। इसके स्थान पर, उत्तराखण्ड का मुस्लिम समाज इन अपराधियों के पक्ष में बन्द, धरने, प्रदर्शन व जुलूस निकालने में रुचि ले रहा है, यह दुखद स्थिति है।

- प्रवीण गुगनानी
विदेश मंत्रालय, भारत सरकार में सलाहकार, राजभाषा

राशिफल

भाद्रपद शुक्ल पक्ष : पंचमी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
प्रेम संतान का भी भरपूर सहयोग है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी अच्छा समय कहा जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
ऊर्जा का स्तर उतार-चढ़ाव में रहेगा। प्रेम संतान का भरपूर साथ होगा। व्यापार बहुत अच्छा होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। बहुत सारे तरह के लोग इस समय आपको परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य थोड़ा बुझा-बुझा सा बना है। बाकी स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार बहुत अच्छा आपका दिख रहा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वास्थ्य साथ दे रहा है। कानूनी पछड़े सुधर रहे हैं। पिता के स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दें। प्रेम, संतान का भरपूर सहयोग।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। भाग्यवश काम बनेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार बहुत अच्छा दिख रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं थोड़ा सा। बचकर पार करें। स्वास्थ्य मध्यम है। प्रेम संतान ठीक-ठाक। व्यापार भी ठीक है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
प्रेम संतान का भरपूर सहयोग है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर थोड़ा ध्यान दीजिए। बाकी हर दृष्टि से सुखद समय।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
शत्रुओं पर विजय पाएंगे। गुण, ज्ञान की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम गरम रहेगा। प्रेम संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
दिमागी तौर पर थोड़ा बटे-बटे से रहेंगे। बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभव है। घर में कुछ उत्सव हो सकता है जमावड़ा लगा हुआ है घर में आपके।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापार के नए-नए ऑप्शन आएंगे, कंफ्यूज मत होइए। एक-दो दिन रुक जाइए। स्वतः क्लियर हो जाएगा क्या करना है।

प्रबंध निदेशक ने मेरठ मेट्रो के ट्रेन इंटीरियर और यात्री केंद्रित सुविधाओं का किया अनावरण, बोले

'मेट्रो प्रणाली मेरठ के परिवहन में लाएगी क्रांतिकारी बदलाव'

गाजियाबाद (चेतना मंच)। नमो भारत रैपिड ट्रेन के मेरठ साउथ तक चलने के बाद अब शहर में मेट्रो ट्रेन चलाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। मेरठ में 13 स्टेशनों के बीच तीन कोच की मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इस मेट्रो की अधिकतम परिचालन गति 135 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है। मेरठ मेट्रो कॉरिडोर की लंबाई 23 किलोमीटर है, जिसमें 18 किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड है और 5 किलोमीटर का सेक्शन भूमिगत है। मेरठ में कुल 13 स्टेशन हैं। जिनमें से 9 स्टेशन एलिवेटेड और 3 स्टेशन भूमिगत हैं। जबकि एक स्टेशन ग्राउंड लेवल पर होगा।

इन सब के बीच शनिवार को एनसीआरटीसी ने मेरठ मेट्रो के आधुनिक ट्रेन इंटीरियर और यात्री केंद्रित सुविधाओं का अनावरण किया। गाजियाबाद के दुहाई स्थित आरआरटीएस डिपो में इस अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने उद्घाटन किया।

गोयल ने कहा कि यह मेट्रो प्रणाली मेरठ के परिवहन में क्रांतिकारी बदलाव लेकर लाएगी। इससे शहर में कनेक्टिविटी, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

मेक इन इंडिया अभियान के तहत मेरठ मेट्रो के ट्रेन सेटों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। निर्माण का जिम्मा मेसर्स एल्सटॉम को सौंपा गया है, जो इन ट्रेन सेटों के निर्माण के साथ 15 वर्षों तक रखरखाव की जिम्मेदारी भी निभाएगी। यह कंपनी अब तक पांच ट्रेन सेट एनसीआरटीसी को सौंप चुकी है।

135
किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी स्वदेशी तकनीक से तैयार मेरठ मेट्रो

मेरठ के उत्तरी छोर को दक्षिणी छोर से जोड़ेगी मेट्रो

मेरठ मेट्रो, मेरठ के दक्षिणी छोर मेरठ साउथ को उत्तरी छोर मोदीपुरम से जोड़ेगी। इससे मेरठ और गाजियाबाद के लोगों को काफी सुविधा होगी। मेरठ मेट्रो ट्रैक यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशनों को एक से दो किमी के अंतराल पर बनाया जा रहा है।

मुसाफिरों की सुविधा और सुरक्षा के लिए किया गया है डिजाइन

मेरठ मेट्रो की ट्रेनों को यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। वातानुकूलित ट्रेन में यात्रियों के लिए आरामदायक सीटें, सीसीटीवी कैमरे, यूएसबी चार्जिंग पॉइंट और इमरजेंसी कम्युनिकेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं होंगी। इसके साथ ही प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स (पीसीडी) भी लगाए जाएंगे, जो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मेरठ मेट्रो के सभी स्टेशन और ट्रेनें सुलभ होंगी, जहां विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग यात्रियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

गोयल ने आगे कहा कि मेरठ मेट्रो का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति कर रहा है और 2025 तक यह परियोजना पूरी तरह से जनता के लिए उपलब्ध हो जाएगी।

शिक्षा की ज्योत से सैकड़ों मासूमों का जीवन रोशन करने वाले शिक्षक विष्णु गुप्ता हुए सम्मानित

डिप्टी सीएम ने विष्णु गुप्ता को शिक्षक सम्मान से नवाजा

फरिश्ता बनकर जरूरतमंद परिवारों के मासूमों को शिक्षा के पंख लगा रहे विष्णु सर

नोएडा (चेतना मंच)। आज के भाग दौड़ भरी जीवन में अपने लिए तो सभी जीते है ,पशु भी जीते है। लेकिन खास वो हैं जो दूसरों के लिए जीते है। जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के सपनों को शिक्षा के पंख लगाने वाले युवा शिक्षक विष्णु गुप्ता को उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शिक्षक सम्मान देकर उनका हौसला बढ़ाया। और मासूमों को नि:शुल्क शिक्षा देने के उनके सराहनीय कार्य की खुले मन से तारीफ की।

न्यू नोएडा पब्लिक स्कूल में बच्चो को शिक्षा देने के अलावा बाकी समय में शिक्षा की अलख जगाने के लिए विष्णु गुप्ता झुग्गी-झोपड़ियों में निवास करने वाले मासूम बच्चों को देते है। जहां अतिजरूरतमंद परिवारों के बच्चो को पढ़ाने और शिक्षा की ओर उन बच्चो का ध्यान आकर्षित करने के लिए नित नए तरीके से उन्हें मोटिवेट करते हैं। और उनकी हर संभव मदद करते है। और उनके कोमल मन के अंदर शिक्षा की ज्योत जगाने का कार्य कर रहे है।

न्यू नोएडा पब्लिक स्कूल में बतौर शिक्षक कार्य करने वाले विष्णु गुप्ता ने अब तक दर्जनों से अधिक मासूमों बच्चों को फूट पाथ ,पार्कों में नि:शुल्क शिक्षा देते हुए उन्हे शिक्षा का महत्व बताया और उन्हें उनके आसपास के स्कूलों में एडमिशन कराया जा रहा है। फिलहाल भी उनकी नि:शुल्क क्लास में सैकड़ों बच्चे शिक्षा ले रहे है। यह कार्य उनके जरिए लगातार किया जा रहा है। जरूरतमंद परिवारों बच्चों को वह कई स्थानों पर, फुट पाथ, पार्कों आदि स्थानों में अपनी व्यवस्था के साथ नि:शुल्क शिक्षा देने का कार्य बखूबी कर रहे है। जिसकी प्रशंसा आसपास के लोग भी करते है। स्कूल में शैक्षणिक कार्य के दौरान उनके सरल व्यवहार और अन्य नि:शुल्क सामाजिक कार्यों के करने के चलते उन्हे उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के जरिए सम्मानित किया गया है। यह शिक्षक सम्मान उन्हे उनकी विशेष उपलब्धियों के कारण मिला है।

खास बात यह है की शिक्षक विष्णु गुप्ता अपना सारा समय जरूरतमंद बच्चों को निशुल्क पढ़ाने और उनके जीवन स्तर को संवारने में लगा रहे है। बिना किसी की आर्थिक मदद के वह ये सब कार्य अपनी नेक कमाई से करते है। उन्हे देश के मासूमों को शिक्षा के पंख लगाने का जूनून है। उनके इस कार्य की चारो ओर चर्चा है और उनके कार्यों की आसपास के लोग खूब प्रशंसा कर रहे है।

युवा शिक्षकों व वैज्ञानिकों के लिए शोध पुस्तिका का विमोचन

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश ने युवा शिक्षकों और वैज्ञानिकों द्वारा शोध और प्रकाशन को प्रोत्साहन देने के लिए स्प्रिंगर नेचर ग्रुप के सहयोग से अकादमिक पुस्तकों के प्रकाशन पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला स्प्रिंगर नेचर की अनुप्रयुक्त विज्ञान और इंजीनियरिंग की संपादकीय निदेशक सुश्री स्वाति मेहरिशी, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की वाइस चांसलर प्रो. (डॉ) बलविंदर शुक्ला, एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) डब्ल्यू सेल्वामूर्ति और एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की उप निदेशक (अकादमिक) प्रो. (डॉ.) निताशा हस्तीर द्वारा किया गया।

कार्यशाला के दौरान, उद्योग 5.0 प्रतिमान में स्थिरता के लिए बुद्धिमान आईटी समाधान (उद्यमिता, नवाचार और नेतृत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की चुनिंदा कार्यवाही, आईसीईआईएल - 2023) नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। इस संपादित पुस्तक की सामग्री स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान, कृषि, हरित ऊर्जा और शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में बुद्धिमान प्रौद्योगिकी समाधानों पर केंद्रित है। स्प्रिंगर नेचर की अनुप्रयुक्त विज्ञान और इंजीनियरिंग की संपादकीय निदेशक सुश्री स्वाति मेहरिशी ने कहा कि वैज्ञानिक प्रकाशन बहुत तेजी से बदल रहा है और उन्होंने युवा प्रतिभागियों के साथ पुस्तक प्रकाशन की प्रक्रिया को साझा किया।

अपने संबोधन के दौरान, एमिटी विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश की वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) बलविंदर शुक्ला ने शिक्षण के महान पेशे से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में गुणवत्ता और नैतिक प्रकाशन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

एमिटी साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रो. (डॉ) डब्ल्यू सेल्वामूर्ती ने सभी विद्वानों और प्रतिभागियों को प्रकाशन की कला सीखने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि शिक्षक समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 169 शिकायतें हुई दर्ज, 15 शिकायतों का निस्तारण

नोएडा (चेतना मंच)। जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 169 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 15 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा तहसील सदर में संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई।

आयोजित तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिला अधिकारी द्वारा जन सामान्य की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया एवं जन सामान्य के द्वारा कुल 15 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 02 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

इस अवसर पर जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके।

हर्षोल्लास से मनाया सचिन पायलट का जन्मदिन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा महानगर कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सचिन पायलट का 47 वाँ जन्मदिन बहुत ही धूम-धाम से केक काटकर, सेक्टर-35 स्थित मोरना ग्राम में मनाया। इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कहा कि सचिन पायलट को देश में कश्मीर से कन्यकुमारी तक युवा अपना आदर्श मानते है। देश के हर कोने में सचिन पायलट की एक जैसी लोकप्रियता है क्यूँकि सचिन पायलट का पैतृक गाँव वेदपुरा है जो की गौतमबुद्धनगर में ही पड़ता है जिसके कारण इस जनपद में भी उनकी अच्छी खाशी लोकप्रियता है। जन्मदिन के अवसर पर लाखों देशवासियो ने सचिन पायलट को शुभकामनाएँ व बधाई दी।

इस अवसर पर नोएडा महानगर पूर्व अध्यक्ष रामकुमार तंवर, पूर्व पीसीसी अशोक शर्मा, मांगेराम शर्मा, डालचंद शर्मा, ज्ञानेंद पंडित, रामे प्रधान, जितेन्द्र चौधरी, सचिव शाहिद खान, सचिन तंवर, दीपक शर्मा, पप्पी मुखिया, अवनीश तंवर, दुली तंवर, निशान्त नागर, शिव कुमार, धर्मेन्द्र गुर्जर, करण वर्मा, आदर्श कुमार, दीपकमल, नकुल चौहान, आदि कार्यकर्ता मोजूद थे।

राजकीय बाल संप्रेषण गृह बालिका में किशोरियों के लिये पोषण पदार्थ का वितरण

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में तथा माननीय जनपद न्यायाधीश, अवनीश सक्सैना के दिशा-निर्देशन तथा अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऋचा उपाध्याय की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता व जागरुकता शिविर का आयोजन राजकीय संप्रेषण गृह किशोरी में निवासित बालिकाओं के मध्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में गलगोटिया विश्वविद्यालय के सहयोग से संप्रेषण गृह में रह रही बालिकाओं के मध्य उनकी आवश्यकताओं के अनुसार न्यूट्रीशन एवं अन्य वस्तुओं का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं के लिये के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर में किशोरियों को उनके मुकदमें में विधिक सहायता हेतु जानकारी उपलब्ध कराई गई।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

एवीजी लॉजिस्टिक्स ने कर बाद लाभ में 105 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। -एक प्रमुख मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्रदाता, एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एवीजी लॉजिस्टिक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री संजय गुप्ता ने कहा, हम समीक्षाधीन तिमाही में हासिल किए गए जोरदार वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट देकर हर्षित है.आय, एबिडटा और कर बाद लाभ में उल्लेखनीय वर्ष दर वर्ष ग्रोथ के साथ एवीजी लॉजिस्टिक्स उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करती है.

श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा ने 26.50 प्रतिशत एबिटडा मार्जिन की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। कर्नाटक राज्य में सीमेंट की मैन्युफैक्चरिंग करने और सोलर पावर जेनरेशन और वितरण करने वाली, श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है.प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री केशव सीमेंट एंड इंफ्रा लिमिटेड के चेयरमैन, श्री वेंकटेश कटवा ने कहा,हम सहर्ष 31.24 करोड़ की कुल आय पर 26.50 प्रतिशत शानदार एबिटडा मार्जिन की रिपोर्ट देते हैं. सीमेंट से सोलर पावर पर हमारा व्यूहात्मक शिफ्ट हमारे लिए महत्वपूर्ण माइलस्टोन प्रदान कर रहा है. हम कर्नाटक के कोपल जिले के बिसराहली में अतिरिक्त तीन मेगावाट सोलर प्लांट की कमिशनिंग की घोषणा करते हुए रोमांचित है जिससे हमारी कुल सोलर क्षमता बढ़कर 40 मेगावाट पर पहुंच गई. यह विस्तार रिन्यूएबल एनर्जी लीडरशिप की दिशा में एक अन्य उल्लेखनीय कदम को दर्शाता है तथा टिकाऊ ग्रोथ और दीर्घकालीन वैल्यू क्रिएशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करता है. जनरेट किए गए सोलर पावर का 35 प्रतिशत आंतरिक उपयोग और 65 प्रतिशत अन्य क्षेत्रों को आउटसोर्स के साथ मुख्य रूप से स्वयं खपत के लिए किया जाएगा. इसके अतिरिक्त हमारे टेक्निकल सुधार से हमारी सीमेंट की उत्पादन क्षमता वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही की समाप्ति तक एक मिलियन टन पर पहुंच जाएगी.

बीमा कंपनी को 15 दिनों के भीतर जारी करनी होगी पॉलिसी, पॉलिसीहोल्डर्स को मिले कई अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंश्योरेंस रेगुलेटर आइआरडीएआइ ने बीमा पॉलिसीहोल्डर्स के अधिकारों को लेकर एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में ई-इंश्योरेंस पॉलिसियों, हेल्थ लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों दोनों के क्लेम सेटलमेंट (दावों के निपटान) की समयसीमा और कई हेल्थ बीमा पॉलिसियों वाले पॉलिसीहोल्डर्स के अधिकारों को शामिल किया गया है। सर्कुलर के मुख्य बिंदु इस प्रकार है। सभी बीमा पॉलिसियां इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में जारी की जानी चाहिए। द्र-इंश्योरेंस पॉलिसियों पर ग्राहक द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। ग्राहक इंश्योरेंस कंपनी से अनुरोध कर सकते हैं कि वे चाहते हैं कि पॉलिसियों फिजिकल जारी की जाएं। ध्यान रखें कि यदि आप पॉलिसी दस्तावेज या ब्रोशर फिजिकल फॉर्मेट में चाहते हैं, तो आपको प्रपोजल फॉर्म में इसको बताना होगा।

समय सीमा

बीमा कंपनी को प्रपोजल फॉर्म स्वीकार करने के 15 दिनों के भीतर पॉलिसी जारी करनी होगी। नए नियमों के तहत इंश्योरेंस कंपनी को प्रपोजल फॉर्म के साथ इनीशिजल प्रीमियम जमा करने की अनुमति नहीं है।

दस्तावेज मिले

इंश्योरेंस पॉलिसी के साथ, पॉलिसीहोल्डर को बीमा कंपनी से निम्नलिखित दस्तावेज प्राप्त करने चाहिए जैसे, पॉलिसी दस्तावेज के लिए कवरिंग लेटर जिसमें फ्री लुक अवधि की जानकारी दी गई हो, पॉलिसी दस्तावेज, संभावित ग्राहक द्वारा पेश प्रपोजल फॉर्म की एक प्रति, बेनिफिट इलेस्ट्रेशन की प्रति, ग्राहक सूचना पत्र आदि।

सीआईएस अनिवार्य

सीआईएस एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसे कंपनी अनिवार्य रूप से अपने ग्राहकों को उनकी बीमा पॉलिसियों के साथ प्रदान करते हैं। यह पॉलिसी की मुख्य विशेषताओं और लाभों के सारांश के रूप में काम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिसीधारकों को उनके कवरेज के बारे में अच्छी जानकारी है। 30 दिन का फ्री लुक पीरियडएक साल या उससे अधिक की लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के लिए, पॉलिसीहोल्डर के पास 30 दिनों की फ्री लुक पीरियड (निःशुल्क अवलोकन) अवधि होगी। यदि पॉलिसीहोल्डर पॉलिसी की शर्तों या नियमों से असंतुष्ट है, तो उसके पास इन 30 दिनों के भीतर पॉलिसी को रद्द करने के लिए कंपनी को वापस करने का विकल्प है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चेयरमैन को मिलती है सबसे ज्यादा सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप देश का सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है। इसकी होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2024 में 135 करोड़ रुपये मिले जो पिछले वित्त वर्ष की उनकी सैलरी से 20 प्रतिशत अधिक है। इस प्रकार वह किसी भारतीय कंपनी के सबसे अधिक वेतन पाने वाले प्रोफेशनल चीफ हैं। पिछले साल भी उन्हें सबसे ज्यादा सैलरी मिली थी। टाटा संस के सीएफओ सौरभ अग्रवाल को वित्त वर्ष 2024 में 30 करोड़ रुपये मिले। वह टाटा ग्रुप में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले दूसरे एग्जीक्यूटिव रहे।

उनकी कमाई टीसीएस, टाटा स्टील और आईएचसीएल के प्रमुखों से अधिक रही। अग्रवाल की कमाई वित्त वर्ष 2023 के वेतन से लगभग 8 प्रतिशत अधिक रही।

टीसीएस के सीईओ के कृतिवासन, आईएचसीएल के प्रमुख पुनीत छतवाल और टाटा स्टील के प्रमुख टीवी नरेंद्रन को वित्त वर्ष 2024 में क्रमशः 25 करोड़ रुपये, 19 करोड़ रुपये और 17 करोड़ रुपये का वेतन मिला। कृतिवासन की कुल सैलरी में 1 अप्रैल, 2023 से 31 मई, 2023 तक टीसीएस के बीएफएसआइ के ग्लोबल हेड और 1 जून, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक कंपनी के सीइओ के रूप में वेतन शामिल है। राजेश गोपीनाथन के अचानक कंपनी छोड़ने के बाद कृतिवासन को टीसीएस का सीईओ बनाया गया था। टाटा संस की इनकम में टीसीएस का सबसे बड़ा योगदान है।

डेलापोर्ट वर्सेज चंद्रशेखरन

टाटा ग्रुप की अन्य कंपनियों टाटा पावर के प्रवीर सिन्हा और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के सुनील डिसूजा ने वित्त वर्ष 24 में 10-10 करोड़ रुपये कमाए जबकि टाटा केमिकल्स के आर मुकुंदन को इसी अवधि के दौरान 8 करोड़ रुपये मिले। कई सीईओ के पास टाटा ग्रुप की उन कंपनियों के शेयर भी हैं जिन्हें वे चलाते हैं। चंद्रशेखरन को फाइनेंशियल ईयर 2024 के कुल कंपनसेशन में कंपनी के मुनाफे पर अर्जित कमीशन के रूप में 122 करोड़ रुपये और वेतन तथा भत्ते के रूप में 13 करोड़ रुपये शामिल थे। दिग्गज आईटी कंपनी विप्रो के पूर्व सीईओ थिएरी डेलापोर्ट को फाइनेंशियल ईयर 2024 में 167 करोड़ रुपये मिले। लेकिन उनके मुआवजे में एक महत्वपूर्ण राशि में सेवरेंस पैकेज और स्टॉक ऑप्शन की थी। फ्रांस के डेलापोर्ट ने कंपनी में अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा किए बिना ही इस्तीफा दे दिया। वित्त वर्ष 2023 में उन्हें 83 करोड़ रुपये मिले थे जबकि चंद्रशेखरन का कंपनसेशन 113 करोड़ रुपये था। चंद्रशेखरन को वित्त वर्ष 2024 में छह सूचीबद्ध ऑपरेटिंग कंपनियों टीसीएस, आईएचसीएल, टाटा स्टील, टाटा पावर, टाटा कंज्यूमर और टाटा केमिकल्स से उनके गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में 17 लाख रुपये की सिटिंग फीस भी मिली और उनके पास इन कंपनियों के 168 करोड़ रुपये के शेयर हैं।

सुप्रीम कोर्ट : बायजू के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही से जुड़ी याचिका सूचीबद्ध करने पर सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एनसीएलएटी के एक फैसले के खिलाफ अमेरिका स्थित लेनदार ग्लास ट्रस्ट कंपनी एलएलसी की अपील को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दे दी। एनसीएलएटी ने एड-टेक फर्म बायजू के खिलाफ दिवालियेपन की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी और बीसीसीआई के साथ 158.9 करोड़ रुपये के बकाया निपटान को मंजूरी दे दी थी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ से एड-टेक प्रमुख की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एनके कौल ने आग्रह किया कि मामले की जल्द से जल्द सुनवाई की जरूरत है। कौल ने कहा, केवल प्रमोटरों द्वारा फंडिंग की गई थी और आज किसी ने कोई बाहरी उधार नहीं लिया है।

एचडीएफसी इर्गो ने खरीफ सीजन के लिए मध्य प्रदेश में किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

बड़वानी । भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने खरीफ, 2024 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है। पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, भूस्खलन, चक्रवात, तूफान, ओलावृष्टि, सैलाब, कीट, बीमारियों आदि जैसे कई बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर उसका संचालन करेगी। यदि संचालित किए गए सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए जाते हैं, तो माना जाएगा कि किसान को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए किसान को क्लेम दिया जाएगा। इस योजना में फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से अनुमोदित हैं। अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा और खरगोन जिलों जिलों के किसान अपने जिले में स्थित बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या फिर अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट से संपर्क करके ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं।

स्काई इंडस्ट्रीज ने 108 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। एक प्रमुख हूक एवं लूप निर्माता एवं निर्यातक, स्काई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. स्काई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के पूर्णकालिक डायरेक्टर, श्री माइकल रावरानी ने कहा, हम वित्त वर्ष 25 की प्रथम तिमाही के हमारे उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन की रिपोर्ट देकर हर्षित है. हमने इस तिमाही ने हमारे शुद्ध लाभ में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 100 प्रतिशत की उल्लेखनीय ग्रोथ दर्शाते हुए इस वित्त वर्ष की अपवादात्मक शुरुआत की है. यह उल्लेखनीय उपलब्धि परिचालन कार्य कुशलता, इनोवेशन और बाजार विस्तार पर हमारे व्यूहात्मक फोकस को रेखांकित करती है. तिमाही के दौरान स्काई इंडस्ट्रीज को फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आयोजित आयोजित प्रतिष्ठित टेकटेक्सिल 2024 बिजनेस प्रदर्शनी में हिस्सा लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ. यह प्रदर्शनी टेक्निकल टैक्सटाइल्स में हमारे ताजा ट्रेंड एवं इनोवेशन को प्रदर्शित करने के लिए हमें शानदार प्लेटफॉर्म प्रदान करती है. हम यह घोषणा करते हुए भी हर्षित है कि क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड ने बैंक सुविधाओं में कुल 183 करोड को कवर करते हुए हमारी दीर्घकालिन लोन सुविधा के लिए क्रिसिल बीबी+/स्टेबल रेटिंग,और हमारी अल्पकालीन लोन सुविधा के लिए क्रिसिल ⁄4+ रेटिंग प्रदान करते हुए हमारी साख क्षमता की फिर से पुष्टि की है.

सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड ने एयर कंडीशनर और कूलर मैन्युफैक्चरिंग के लिए पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट के साथ स्ट्रेटिजिक कोलैबोरेशन की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड भारत के कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर में अग्रणी, कंपनी ने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विसेज़ के लीडिंग प्रोवाइडर, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के साथ एक स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप की घोषणा की है। इस कोलैबोरेशन के अंतर्गत, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट सेलेकोर के एयर कंडीशनर और कूलर की नई रेंज के लिए मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर के रूप में काम करेगा, जो सेलेकोर के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतीक है। पीजी ग्रुप की प्रमुख कंपनी के रूप में 2003 में इनकॉरपोरेटेड पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड को लीडिंग भारतीय और वैश्विक ब्रांड्स के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में मान्यता प्राप्त है। ओरिजनल डिज़ाइन मैन्युफैक्चरिंग , ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग और प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग में विशेषज्ञता, पीजीईएल कंज्यूमर ड्यूरेबल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बाथरूम फिटिंग और ऑटोमोटिव सहित विभिन्न उद्योगों में 45 से अधिक अग्रणी ब्रांड्स को सेवाएं देता है। 3,800 से अधिक कर्मचारियों की एक डायवर्स टीम के साथ, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट ने क्षमता बढ़ाने, नए सेग्मेंट्स में पेशकशों में विविधता लाने, बैकवर्ड इंटीग्रेशन शुरू करने और नए उत्पादों के लिए रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश करने की अपनी क्षमता के लिए एक मज़बूत प्रतिष्ठा बनाई है। सेलेकोर के साथ यह पार्टनरशिप ज़्यादा अच्छी क्वॉलिटी सुनिश्चित करते हुए एसी और कूलर के उत्पादन को तेजी से बढ़ाने के लिए पीजीईएल की अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं और विशेषज्ञता का लाभ उठाएगी।

यह कोलैबोरेशन प्रोडक्ट एफिशिएंसी बढ़ाने और सेलेकोर के एसी और कूलर के लिए क्वॉलिटी और ड्यूरेबिलिटी के हाईएस्ट स्टैंडर्ड को बनाए रखने पर केंद्रित है। दोनों कंपनियां ऐसे प्रोडक्ट्स पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो इंडियन मार्केट की मज़बूत आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, एनर्जी-एफिशिएंट कूलिंग सॉल्यूशंस देते हैं। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड और पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के बीच यह स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप इनोवेशन, क्वॉलिटी और कस्टमर सैटिस्फैक्शन के लिए एक साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, और होम एप्लायंसेस इंडस्ट्री में नए स्टैंडर्ड स्थापित करने के लिए तैयार है। हाल ही में, कंपनी ने इस सितंबर में लैपटॉप और 5त्न स्मार्टफोन की अपनी लेटेस्ट रेंज लॉन्च करने की घोषणा की, जो आगामी त्यौहारी सीजन के लिए बिल्कुल सही समय है।

शाओमी इंडिया ने कैटरीना कैफ को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया

स्मार्ट भविष्य के लिए फिर से नया गठबंधन

मुंबई, एजेंसी। अपने इनोवेशन के लिए मशहूर, ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड, शाओमी इंडिया ने आज कैटरीना कैफ को अपना ब्रांड एम्बेसडर घोषित किया। ब्रांड एम्बेसडर के रूप में कैटरीना कैफ शाओमी के स्मार्टफोन, टीवी, और टेबलेट्स का प्रमोशन करेंगी। शाओमी को भारत में दस साल पूरे हो रहे हैं और इस समय किया गया यह गठबंधन हर किसी तक इनोवेशन पहुँचाने की शाओमी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इस गठबंधन में कैटरीना की वैश्विक अपील और आकर्षक सुंदरता सिमटी हुई है।

कैटरीना कैफ एक सफल बॉलिवुड अभिनेत्री हैं। भारतीय फिल्म उद्योग और विश्व में उनकी एक अलग पहचान है। वो इनोवेशन, स्टाईल और उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो शाओमी के मुख्य गुण हैं। उनकी लोकप्रियता और प्रभाव ब्रांड के बढ़ते ग्राहकों को आकर्षित करेंगे। कैटरीना को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाकर शाओमी ग्राहकों से अपना जुड़ाव मजबूत करना और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी पसंद करने वाले महत्वाकांक्षी भारतीयों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करना चाहता है। अनुज शर्मा, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, शाओमी इंडिया ने कहा, ''भारत में इनोवेशन पेश करते हुए दस साल पूरे होने के साथ शाओमी परिवार में एक बार फिर कैटरीना कैफ का स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। उनकी शिष्टता, व्यापक अपील, और हमारे दर्शकों से गहरे जुड़ाव के कारण वो हमारे अगले चैप्टर के लिए उपयुक्त एम्बेसडर हैं। शाओमी और कैटरीना, दोनों में लोगों से गहरा जुड़ाव विकसित करने की अद्वितीय क्षमता है। अपने इस गठबंधन के साथ हम मिलकर इनोवेटिव टेक्नोलॉजी हर व्यक्ति तक पहुँचाएंगे।'' शाओमी का नया चेहरा बनने पर उत्साहित कैटरीना कैफ ने कहा, ''मैं शाओमी परिवार में फिर से शामिल होकर बहुत उत्साहित हूँ। यह बहुत ही रोमांचक समय है, जब यह ब्रांड लोगों के जीवन में इनोवेशन लाने के दस साल पूरे कर रहा है। शाओमी भारत में बहुत मशहूर है और उनकी इनोवेशन की प्रतिबद्धता की मैं बहुत सराहना करती हूँ। मुझे लगातार विकास कर रहे इस ब्रांड का हिस्सा बनने और इसकी प्रतिष्ठित विरासत में अपना योगदान देने की खुशी है। मैं शाओमी का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हूँ, इस ब्रांड को पूरे देश के लोग पसंद करते हैं। मैं शाओमी की इनोवेटिव दुनिया में अपने फैंस से मिलने के लिए उत्सुक हूँ।'' प्रतीक दास, एसोसिएट डायरेक्टर, मार्केटिंग पार्टनरशिप्स एंड अलायंसेज़, शाओमी इंडिया ने कहा, ''हमें शाओमी इंडिया और कैटरीना कैफ के बीच गठबंधन की घोषणा करने की खुशी है। इस पार्टनरशिप के साथ दो प्रतिष्ठित ब्रांड एक साथ आए हैं, जो भारतीय ग्राहकों के साथ गहरा जुड़ाव रखते हैं। हमारा मानना है कि कैटरीना कैफ का आकर्षण और शाओमी की इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एक शक्तिशाली तालमेल बनाएगी, जो हर उम्र के ग्राहकों को प्रेरित करेगा।'' शाओमी इंडिया देश के सभी परिवारों में एक सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद टेक्नोलॉजी ब्रांड के रूप में स्थापित हो चुका है। दूसरी तरफ कैटरीना कैफ सुंदरता का प्रतीक हैं। ये दोनों मिलकर इस पार्टनरशिप के साथ शुरू हुए दिलचस्प अभियान द्वारा त्योहारों का उत्साह बढ़ाएंगे।

ओला इलेक्ट्रिक ने फेस्टिव सीजन से पहले आकर्षक डील और ऑफर पेश किए

मुंबई, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक ने आज फेस्टिव सीजन से पहले आकर्षक डील और ऑफर पेश किए। ग्राहकों को चुनिंदा एस1 स्कूटर खरीदने पर 5,000 रुपये का डिस्काउंट दिया जा रहा है। इसके अलावा, एक्सेसरीज़ और चुनिंदा बैंक के क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर कंपनी ने 11,000 रुपये तक के अतिरिक्त लाभ की घोषणा भी की है। ग्राहकों को 12,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। इस ऑफर का लाभ ग्राहक नजदीकी ओला इलेक्ट्रिक स्टोर पर आकर ले सकते हैं। यह ऑफर चुनिंदा शहरों में 15 सितंबर तक लागू रहेगा।

कंपनी अपने उत्पादों की संपूर्ण श्रृंखला पर बिना किसी अतिरिक्त लागत के 8 साल/80,000 किलोमीटर की एक्सटेंडेड बैटरी वॉरंटी प्रदान करती है। ओला इलेक्ट्रिक का मानना है कि इससे इलेक्ट्रिक वाहनों की उम्र बढ़ेगी, और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने में आने वाली एक बड़ी बाधा दूर हो सकेगी। ग्राहक एड-ऑन वॉरंटी लेकर 1,00,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 4,999 रुपये देकर और 1,25,000 किलोमीटर तक की दूरी को केवल 12,999 रुपये देकर वॉरंटी के अंतर्गत ला सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने एक 3 किलोवॉट की पोर्टेबल फास्ट चार्जर एक्सेसरी भी पेश की है, जो 29,999 रुपये में खरीदी जा सकती है।

ओला इलेक्ट्रिक एक विशाल एस1 पोर्टफोलियो पेश करता है, जिसमें आकर्षक मूल्य में छः उत्पाद हैं, जो विभिन्न रेंज की जरूरत वाले ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करते हैं। कंपनी के प्रीमियम एस1 प्रो और एस1 एयर का मूल्य क्रमशः 1,34,999 रुपये और 1,07,499 रुपये है। वहीं मास-सेगमेंट के स्कूटरों, एस1 एक्स. और एस1 एक्स पोर्टफोलियो का मूल्य क्रमशः 89,999 रुपये; 74,999 रुपये; 87,999 रुपये और 101,999 रुपये है।

फैंटम एफएक्स ने वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में एबिटडा में 20 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की रिपोर्ट दी

चेन्नई, एजेंसी। एक क्रिएटिव विजुअल इफेक्ट्स (वीएफएक्स) स्टूडियो, फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, फैंटम डिजिटल इफेक्ट्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री विजय अर्पुथराज ने कहा , वित्त वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में व्यूहात्मक पहल और हाई क्वालिटी वीएफएस सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता द्वारा चालित हमारे वित्तीय परिणामों ने शानदार वृद्धि प्रदर्शित की. कुल आय 13 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 27 करोड़ हुई जबकि प्रभावी लागत मैनेजमेंट और परिचालन कार्य कुशलता के चलते एबिटडा 20 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 11 करोड़ हुआ. बढ़ी हुई लाभप्रदता दर्शाते हुए एबिटडा मार्जिन में 256 बेसिस प्वाइंट का सुधार हुआ. मजबूत टॉपलाइन और एबिटडा प्रदर्शन हमारे ठोस वित्तीय आधारशिला और सकारात्मक ग्रोथ आउटलुक को रेखांकित करता है. हम यह शेयर करते हुए भी रोमांचित है कि फैंटम एफएक्स उद्योग लीडर के रूप में हमारी भूमिका को मजबूत करते हुए लैंडमार्क परियोजनाएं हासिल कर रही है.ये परियोजनाएं दोनों घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक फैली हुई है

जलवायु परिवर्तन से विनाशकारी स्थिति पैदा हो रही

भारत के 85 प्रतिशत से अधिक जिले चक्रवात, बाढ़, सूखा और लू की आशंका से ग्रस्त : आईपीई ग्लोबल व एसरी इंडिया अध्ययन

नई दिल्ली, एजेंसी। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को लेकर आईपीई-ग्लोबल और एसरी इंडिया द्वारा आज जारी एक स्वतंत्र अध्ययन में चौकाने वाले रुख सामने आए हैं। इस अध्ययन के मुताबिक, 85 प्रतिशत से अधिक भारतीय जिले बाढ़, सूखा, चक्रवात और लू संभावित हैं जिसमें से 45 प्रतिशत में अदला-बदली का रुख दर्ज किया जा रहा है। हाल के दशकों में जलवायु की चरम सीमा में बारंबारता, तीव्रता और अनिश्चितता भी चार गुना तक बढ़ी है। एक पेटेंटशुदा डेकाडल विश्लेषण का उपयोग कर इस अध्ययन में स्पैटियल एवं टेंपोरल मॉडलिंग के जरिए 1973 से 2023 तक की अवधि में चरण जलवायु घटनाओं की एक सूची तैयार की गई है और यह अनुसंधान इन घटनाओं की जटिलताओं और गैर रैखिक रुझान एवं स्वरूप खंगालते हुए एक विस्तृत जिला वार आकलन उपलब्ध कराता है। पिछले एक दशक में जलवायु की इन चरम स्थितियों में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि भारतीय जिलों की कुल मिलाकर जलवायु जोखिम का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इस अध्ययन को एसरी इंडिया और इसकी साझीदार आईपीई ग्लोबल द्वारा क्लाइमेट टेक्नोलॉजी समिट के पूर्ण सत्र में लांच किया गया था जिसका शीर्षक था जलवायु जोखिमों को घटना के लिए जीआईएस टेक्नोलॉजी का उपयोग।दुनिया, जलवायु सप्ताह, एनवाईसी, अमेरिका के लिए कमर कस रही है जहां उद्योगपतियों, राजनेताओं के जलवायु कार्य प्रतिबद्धताओं पर चर्चा करने की संभावना है।

एसरीइंडिया के प्रबंध निदेशक अगेंद्र कुमार ने कहा, जलवायु परिवर्तन झेलने की क्षमता निर्माण के लिए जलवायु अनुकूलन और शमन दृष्टिकोण दोनों का एक नाजुक संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। चाहे वह नीतिगत हस्तक्षेप हो या प्रभावी नियोजन हस्तक्षेप की दृष्टि से प्रकृति आधारित समाधान, प्रौद्योगिकीय समाधान या सामाजिक समाधान हो, भावी जलवायु अनुमानों की समझ के लिए भूगोल प्रमुख घटक है। उन्नत स्पैटियल एनालिसिस टूल्स के साथ जीआईएस टेक्नोलॉजी और विभिन्न डेटा को एकीकृत करने के सामर्थ्य से इस भौगोलिक विज्ञान का दृष्टिकोण बनता है। जीआईएस टेक्नोलॉजी पहले से ही विभिन्न पर्यावरणीय पहल, आपदा झेलने के कार्यक्रमों, आधारभूत ढांचा, जनोपयोगी सेवाओं, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और स्मार्ट सिटीज़, राष्ट्रीय जल मिशन और स्वच्छ गंगा जैसे मिशनों का मुख्य आधार है।

श्रीलंका के खिलाफ पोप के शतक पर ब्रॉड का रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी । बेन स्टोक्स की जगह इंग्लिश टेस्ट टीम की कमान संभाल रहे कार्यवाहक कप्तान ओली पोप इन दिनों कड़ी आलोचना का शिकार हुए। श्रीलंका के खिलाफ ओवल टेस्ट के दौरान भी उन पर काफी दबाव था, क्योंकि उनके बल्ले से रन भी नहीं आ रहे थे।

लेकिन तीसरे मैच के पहले दिन पोप ने अपने आलोचकों को करारा जवाब देते हुए अपने घरेलू मैदान पर नाबाद 103 रन बनाए, जो लंबे प्रारूप में इंग्लैंड के लिए उनका सातवां शतक था । इस तरह मेजबान टीम ने एक छोटे से दिन में 221/3 रन का मजबूत स्कोर बनाया। पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि इस टेस्ट से पहले पोप के बारे में जो बातें हो रही थीं, वे अब खत्म हो जाएंगी, क्योंकि दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शानदार शतक जड़ा है।

ब्रॉड ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप फॉर्म या लय के लिए संघर्ष कर रहे हों, तो घरेलू मैदान खोई हुई लय वापस हासिल करने का शानदार मंच होता है। यहां पोप अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। यहां उसका औसत 80 है, वह इन परिस्थितियों में बहुत शानदार है। अगर वह कहीं भी बल्लेबाजी करना चाहते, तो इन परिस्थितियों में भी, वह ओवल में ही बल्लेबाजी करते। वह अपनी पहली 20 या 30 गेंदों तक बहुत आक्रामक रहे और फिर उन्होंने जम कर खेलना शुरू कर दिया। ऐसा लगता है कि वह खुद को फ्रंटफुट पर आने के लिए मजबूर कर रहे हैं और फिर उन्होंने कुछ बाउंड्री लगाईं। वह उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं, खूबसूरत शॉट खेलते हैं और जब आप उनके जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करते हैं तो आपको शुरुआत से ही सटीक गेंदबाजी करनी होगी। एक बार जब वह मैदान में जम जाते हैं तो वह आसानी से रन बनाएंगे। पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भी पोप की तारीफ की, जिन्होंने दबाव के समय में भी उनका साथ दिया।

हुसैन ने कहा, उन्होंने गर्मियों की शुरुआत अच्छी की, लेकिन अब वे थोड़ा पीछे रह गए हैं। मुझे उनका खेल पसंद है और यहां, वे खुद को और अधिक आगे की ओर धकेल रहे थे, और रक्षात्मक रूप से बेहतर स्थिति में थे।

पेरिस पैरालंपिक

होकाटो होतोजे ने जीता मेडल

पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांस्य पदक जीतने पर होकाटो होतोजे सेमा को बधाई दी और खेल के प्रति उनके दृढ़ संकल्प की सराहना की।

होकाटो ने शनिवार को पुरुषों की शॉटपुट एफ57 स्पर्धा के फाइनल में 14.65 मीटर की थ्रो के साथ भारत के लिए कांस्य पदक हासिल किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अकाउंट पर पैरालंपियन की उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया।

पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा, हमारे देश के लिए यह गर्व का क्षण है। होकाटो ने पुरुषों की शॉटपुट एफ57 में कांस्य पदक जीता है! उनकी अविश्वसनीय ताकत और दृढ़ संकल्प असाधारण है। उन्हें बधाई। आगे के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

गृह मंत्री अमित शाह ने भी पैरालंपियन की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

गृह मंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, होकाटो सेमा ने पैरालंपिक 2024 में पुरुषों की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आपके अटूट प्रयास और शानदार प्रदर्शन ने देश को गौरवान्वित किया है।इस इवेंट में ईरान के याशिन खोसरावी ने 15.96 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि ब्राजील के थियागो पॉलिनो डॉस सैंटोस ने 15.06 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता।

भारत की कुल पदक तालिका अब 27 हो गई है, जिसमें 6 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक और 12 कांस्य पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि पैरालंपिक में भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाती है, जिसने टोक्यो 2020 पैरालंपिक में जीते गए पांच स्वर्ण पदकों को पीछे छोड़ दिया है।

इंग्लिश टीम को लगा बड़ा झटका

इस साल क्रिकेट नहीं खेल पाएंगे मार्क वुड

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि तेज गेंदबाज मार्क वुड दाएं कोहनी की चोट के कारण शेष वर्ष के लिए बाहर हो गए हैं। वुड श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे और सीरीज के दूसरे और तीसरे टेस्ट बाहर थे। मेडिकल स्कैन से पता चला है कि वुड की दाहिनी कोहनी में चोट है। ईसीबी ने कहा कि गर्मियों की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट

सीरीज के दौरान मार्क वुड को अपनी कोहनी में अकड़न और तकलीफ महसूस हुई थी।

वुड ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गेंदबाजी के दौरान परेशानी का सामना किया था। ईसीबी ने कहा, उस टेस्ट मैच के दौरान वुड को दाहिनी जांघ में भी चोट लगी थी, जिसका इलाज किया जा रहा है और वह इससे अच्छी तरह से उबर रहे हैं। बयान में बताया गया कि वुड अपने रिहैब पर ईसीबी मेडिकल टीम के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। वह अक्टूबर में पाकिस्तान और दिसंबर में न्यूजीलैंड के आगामी टेस्ट दौरे का भी हिस्सा नहीं होंगे। वुड इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड की मेडिकल टीम के साथ जुड़े रहेंगे और उनकी पूरी कोशिश होगी कि वह अगले साल की शुरुआत में भारत के सीमित ओवरों के दौरे से पहले फिट हो जाएं। क्योंकि इस दौरे के ठीक बाद चैंपियंस ट्रॉफी का भी आयोजन होना है। हालांकि, आत्मविश्वास से लबरेज वुड को जल्द मैदान पर लौटने की पूरी उम्मीद है। वुड ने कहा कि उन्हें अगले साल की शुरुआत में फिर से मैदान पर उतरने का पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, मैं साल के बाकी समय में आराम करने और खुद को तैयार करने के लिए समय नहीं निकाल पाऊंगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि मैं 2025 की शुरुआत में वापस आकर मैदान पर उतरूंगा। मैं पहले भी इस तरह की चुनौती का सामना कर चुका हूं। मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है और इससे बेहतर कोई एहसास नहीं हो सकता।

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप:

निकिता ने रजत और नेहा ने जीता कांस्य पदक

पोंटेवेद्रा (स्पेन), एजेंसी। भारतीय पहलवान निकिता ने यहां अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 62 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि नेहा ने 57 किग्रा में कांस्य पदक हासिल किया, जिससे भारत इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर पांच पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

पिछले साल अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता निकिता फाइनल में यूक्रेन की पहलवान इरीना बोंदर से 1-4 से हार गईं। पिछले महीने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नेहा ने महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में हंगरी की गेरडा टेरेक को 10-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से पांच पदकों (एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य) के साथ अपने अभियान का समापन किया। ज्योति बेरवाल ने इससे पहले महिलाओं की 76 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जबकि कोमल (महिला 59 किग्रा) और सृष्टि (महिला 68 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए थे। पिछले साल जॉर्डन के अम्मान में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में भारत ने चार स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते थे।

कोच बनने के बाद राहुल द्रविड़ ने रणनीति पर चर्चा शुरू की, राजस्थान रॉयल्स के अधिकारियों के साथ की बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। द्रविड़ को शुक्रवार को राजस्थान टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। द्रविड़ ने हालांकि अपना काम शुरू कर दिया है और वह राजस्थान के टीम प्रबंधन के साथ चर्चा करते दिखे हैं। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पद पर नियुक्ति होने के बाद से ही आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी को देखते हुए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। द्रविड़ को शुक्रवार को राजस्थान टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। द्रविड़ ने हालांकि अपना काम शुरू कर दिया है और वह राजस्थान के टीम प्रबंधन के साथ चर्चा करते दिखे हैं। द्रविड़ ने टीम के सीईओ जैक लश मैक्रम और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें द्रविड़ मीटिंग रूम में घुसते हुए कह रहे हैं, हैलो तो यहीं पर आईपीएल जीता जाता है। इसके बाद वह अन्य लोगों के साथ चर्चा करने लगे।

आगामी चुनौतियों के लिए तैयार हैं द्रविड़ - द्रविड़ ने नई जिम्मेदारी मिलने के बाद खुशी जताई। उन्होंने कहा- विश्व कप के बाद, मुझे लगता है कि मेरे लिए एक और चुनौती लेने का यह आदर्श समय है और रॉयल्स ऐसा करने के लिए बिल्कुल सही जगह है। द्रविड़ की नियुक्ति के बाद फ्रेंचाइजी की तरफ से जारी किए गए बयान में कहा गया था, पूर्व रॉयल्स कप्तान और कोच ने 2011 से 2015 तक फ्रेंचाइजी के साथ पांच सत्र बिताए और अब वह टीम के साथ काम करना शुरू कर देंगे। फ्रेंचाइजी की समग्र क्रिकेट रणनीति को लागू करने के लिए रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा के साथ काम करेंगे।

राजस्थान खिताबी सूखा खत्म करने को बेताब - राजस्थान रॉयल्स ने 2008 के बाद अब तक कभी भी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। राजस्थान 2022 सीजन की उपविजेता रही थी। राजस्थान की टीम आईपीएल 2024 सीजन के प्लेऑफ में पहुंची थी, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद ने उसे क्वालिफायर-2 में हराकर बाहर का रास्ता दिखाया था। राजस्थान की टीम खिताबी सूखा खत्म करने के लिए बेताब है और उसे उम्मीद है कि द्रविड़ की अगुआई में वह ऐसा करने में सफल होगा। द्रविड़ के कार्यकाल में ही भारत ने इस साल टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत की खिताबी जीत के बाद द्रविड़ ने भारत टीम का कोच पद छोड़ दिया था।

यह समझने में पूरी टेस्ट सीरीज लग सकती है, अश्विन ने घरेलू क्रिकेट में DRS की वकालत की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि इस घरेलू क्रिकेट सत्र में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लाने के फैसले से बल्लेबाजों को अपनी तकनीक में सुधार करने में मदद मिलेगी। 2024 दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में बेंगलुरु (भारत ए बनाम भारत बी) और अनंतपुर (भारत सी बनाम भारत डी) में होने वाले मैचों के लिए डीआरएस उपलब्ध है। अश्विन ने भारत डी के बल्लेबाज रिकी भुई की बल्लेबाजी तकनीक के बारे में बात करके अपनी बात को स्पष्ट किया, जिसमें उन्होंने पैड के पीछे बल्ला रखने की बात कही थी जिसने अनंतपुर में उनके आउट होने में अहम भूमिका निभाई। दूसरे दिन के खेल में भुई को भारत सी के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। शुरुआत में ऑन-फील्ड अंपायर ने आउट नहीं दिया, लेकिन भारत सी के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने डीआरएस का विकल्प चुना और फैसला बदलकर आउट कर दिया गया। घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस सिर्फ सही फैसले लेने के लिए नहीं है। मानव सुथार के खिलाफ कल शाम रिकी भुवी का आउट होना एक ऐसे बल्लेबाज का क्लासिक मामला है जो एफसी क्रिकेट में इस तकनीक का 10/10 बार इस्तेमाल करके बच निकलेगा। अश्विन ने कहा, डीआरएस से पहले यह कोई दोषपूर्ण तकनीक नहीं थी, लेकिन अब यह है।

निराशाजनक है- मैंने 10 विकेट लिए लेकिन टीम में बाद में मौका ही नहीं मिला: अजाज पटेल

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। न्यूजीलैंड के स्पिनर अजाज पटेल ने कहा कि यह उनके लिए निराशाजनक है कि एक पारी में दस विकेट लेने के बावजूद उन्हें मौके नहीं मिलते। न्यूजीलैंड सोमवार से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में है। मैच से पहले अजाज ने कहा कि न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में तेज गति के अनुकूल होने के कारण मौके मिलना मुश्किल है, लेकिन अवसरों की कमी मैदान पर जाने और जब भी मौका मिले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की भूख पैदा करती है।

अजाज ने कहा कि हां, मुझे लगता है कि यदि आप न्यूजीलैंड के सभी स्पिनरों से पूछें, तो घरेलू परिस्थितियों के कारण घर पर कई अवसर प्राप्त करना कभी-कभी मुश्किल होता है। लेकिन, मुझे यह भी लगता है कि जब आप इस तरह की घरेलू परिस्थितियों में आते हैं तो अधिक भूख पैदा होती है। आप परिस्थितियों को जानते हैं यह स्पिन के अनुकूल है। आप वहां जाने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए काफी भूखे हैं। यह वास्तव में खेल में जाने और परिस्थितियों का आनंद लेने के बारे में है।

अजाज ने कहा कि यह एक पेशेवर माहौल है और खिलाड़ियों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे बाहर जाएं और अपने खेल में सुधार करते रहें और आगे बढ़ते रहें। मुझे लगता है कि 10 विकेट के बाद हां, आप निश्चित रूप से थोड़ा निराश हैं क्योंकि आपको अधिक अवसर नहीं मिलते हैं, लेकिन साथ ही, एक खिलाड़ी के रूप में, यह अभी भी आपके खेल को बढ़ाने के बारे में है। मैंने 10 विकेट लेने के बाद अपना रन अप थोड़ा बदला है। यह हमेशा सुधार करने के बारे में है और यह हमेशा यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि अगला अवसर आने पर आप तैयार हैं। न्यूजीलैंड के लिए खेलना हमेशा सौभाग्य की बात है और निश्चित रूप से अपने देश के लिए खेलना कभी नहीं आसान है और उन अवसरों को प्राप्त करना हमेशा काफी खास होता है।

सहवाग ने ताजा कीं वर्ल्ड कप 2003 की यादें, बताया कैसे तेंदुलकर ने दिया था शोएब अख्तर को करारा जवाब

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड कप 2003 में भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया सेंचुरियन मैच भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक खास जगह रखता है. इस मैच में सचिन तेंदुलकर की 98 रनों की पारी आज भी क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में ताजा है. वीरेंद्र सहवाग ने हाल ही में इस ऐतिहासिक मैच की कुछ दिलचस्प यादें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे तेंदुलकर ने शोएब अख्तर की घातक गेंदबाजी का मुंहतोड़ जवाब दिया था. पाकिस्तान की मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप में वसीम अकरम, वकार यूनुस और शोएब अख्तर जैसे दिग्गज शामिल थे. अख्तर ने मैच से पहले कहा था कि वह भारतीय बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर देंगे. सईद अनवर के शतक की मदद से पाकिस्तान ने 273/7 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, लेकिन तेंदुलकर की योजना कुछ और ही थी ।

वीरेंद्र सहवाग ने स्टार स्पोर्ट्स पर दिए इंटरव्यू में बताया, शोएब अख्तर ने कहा था कि वह हमारे टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर देंगे, लेकिन सचिन ने उन्हें करारा जवाब दिया. हमने अख्तर के बयान पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन तेंदुलकर का बल्ला बोला. सचिन तेंदुलकर ने भारत की पारी की शुरुआत में आक्रामक रुख अपनाया और शोएब अख्तर के पहले ओवर में 18 रन बटोरे. उन्होंने आखिरी तीन गेंदों पर लगातार 6, 4, 4 लगाकर अख्तर के इरादों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया. तेंदुलकर ने 75 गेंदों में 98 रनों की पारी खेली, जिसे वह आज भी अपनी सर्वश्रेष्ठ वनडे पारियों में से एक मानते हैं. वीरेंद्र सहवाग ने यह भी याद किया कि पारी के अंत में तेंदुलकर को ऐंठन हो गई थी, जिसके कारण उन्हें उनका रनर बनना पड़ा. सहवाग ने कहा, शाहिद अफरीदी लगातार तेंदुलकर को परेशान कर रहे थे, लेकिन सचिन सिर्फ खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे. उन्हें पता था कि उन्हें क्रीज पर बने रहना है. मैच का सबसे यादगार पल वह था जब सचिन तेंदुलकर ने शोएब अख्तर की गेंद पर एक अपरकट छक्का जड़ा था. हालाँकि बाद में अख्तर ने तेंदुलकर को 98 रन पर आउट कर दिया, लेकिन युवराज सिंह (50*) और राहुल द्रविड़ (44*) ने भारत को छह विकेट से जीत दिलाई ।

दूसरा टी-20 जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर कब्जा किया, स्कॉटलैंड को 70 रन से हराया

एडिनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉटलैंड को 70 रन से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर भी कब्जा कर लिया है।

एडिनबरा में खेला गया मुकाबला बारिश की वजह से देरी से शुरू हुआ। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बैरिंगटन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 196 रन बनाए। जोश इंग्लिश ने अपने करियर का दूसरा शतक लगाया। उन्होंने 103 रन की पारी खेली। जोश इंग्लिश ने 43 बॉल में सेंचुरी लगाई। वे ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।197 रन का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड टीम की शुरुआत खराब रही। 20 रन के अंदर दोनों ओपनर्स

पवेलियन लौट गए। टॉप ऑर्डर बैट्समैन ब्रेंडन मैक्मुलेन 59 और जॉर्ज मुन्से 19 रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। पूरी टीम 126 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मार्कस स्टोइनिस ने 4 विकेट लिए।

जोश इंग्लिश की सबसे तेज सेंचुरी जोश ने ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 में सबसे तेज सेंचुरी लगाई। उन्होंने 43 बॉल पर अपना शतक पूरा किया। 103 रन की पारी में उन्होंने 7 चौके और 7 सिक्स लगाए। जोश-कैमरून ने 92 रन की साझेदारी की ऑस्ट्रेलिया के पावर हीटर ट्रैविस हेड को ब्रैड क्यूरी ने शून्य के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। लड़खड़ाती पारी को हेड और ग्रीन ने संभाला। दोनों ने मिलकर 52 बॉल पर 92 रन जोड़े। ग्रीन ने 36 रन की पारी खेली। ग्रीन के आउट होने के बाद मार्कस स्टोइनिस बल्लेबाजी करने आए। उनके साथ जोश ने 43 बॉल पर 64 रन जोड़े। स्टोइनिस ने 20 बॉल पर 20 रन बनाए। स्कॉटलैंड की तरफ से ब्रेड क्यूरी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।ब्रेंडन मैक्मुलेन का अर्धशतक स्कॉटलैंड के टॉप ऑर्डर बैट्समैन ब्रेंडन मैक्मुलेन एक तरफ अकेले खड़े रहे और 59 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 4 चौके और 4 छक्के लगाए। सीन एबॉट ने उन्हें टीम डेविड के जाथों कैच आउट कराया।मार्कस स्टोइनिस ने 4 विकेट लिए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने 3.4 ओवर की गेंदबाजी में 23 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने सबसे पहले कप्तान रिची बैरिंगटन को 5 रन पर आउट किया। इसके बाद माइकल लीस्क (7), क्रिस ग्रीव्स (6) और ब्रेड व्हील (5) रन पर आउट किया। उनके अलावा कैमरून ग्रीन ने 2 और जेवियर बार्लेट, आरोन हार्डी, सीन एबॉट, एडम जम्पा को 1-1 विकेट मिले।

सोचो कि झीलों का शहर हो, लहरों पे अपना एक घर हो...। कोई बात नहीं जो झीलों के शहर में लहरों पर अपना घर नहीं, कुछ समय के लिए इसका अनुभव तो कर ही सकते हैं। कहीं झीलों में तैरते घर तो कहीं, उसमें बोटिंग का रोमांचक आनन्द। ऐसी अनेक झीलें हैं हमारे देश में, आओ जानते हैं...

झीलों का शहर झील में घर

चिल्का - एशिया की सबसे बड़ी झील

चिल्का झील एशिया की सबसे बड़ी झील होने का तमगा पा चुकी है। हिमालय क्षेत्र की तरह प्राकृतिक सौंदर्य से भरे ऐसे नजारे उड़ीसा में भी कम नहीं। खासकर जब आप समुद्र से लगे उड़ीसा के तटों की खूबसूरती को निहारना चाहें और पहुंच जाएं चिल्का झील। यूं तो यह एक झील है, लेकिन क्षेत्रफल इतना बड़ा कि इसके दूसरे किनारे को ढूंढ़ने के लिए आपको झील में उतरना पड़े यानी बोटिंग से इसकी थाह ले सकते हैं। आखिर ऐसा क्यों न हो, जब क्षेत्रफल 1,100 वर्ग किलोमीटर हो। कहीं समुद्र के नीले पानी की रंगत तो कहीं हरे-भरे टापुओं की हरियाली का असर। पर्यटकों के बीच डॉलफिन के करतब लोकप्रिय हैं, वहीं झींगा व कई ऐसी मछलियां इन पर्यटकों के लंच और डिनर में प्रमुखता से शामिल होती हैं। चिल्का के आईलैंड भी पर्यटकों में खासे लोकप्रिय हैं। चार सीटों वाली बोट से लेकर 50 सीटों वाली बोट तक यहां उपलब्ध हैं। उड़ीसा टूरिज्म की ओर से यहां ठहरने की भी काफी अच्छी व्यवस्था की गई है। भुवनेश्वर से लगभग 104 किमी की दूरी पर स्थित चिल्का को एन्जॉय करने के लिए बेहतरीन समय अक्टूबर से जून के बीच होता है।

डल लेक, लहरों पर घर

डल लेक का तो नाम ही काफी है। देश की सबसे अधिक लोकप्रिय इस लेक को प्राकृतिक खूबसूरती के लिए तो दुनियाभर में जाना ही जाता है, यह लोगों की आस्था से भी जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में इस लेक के किनारे देवी दुर्गा की निवास स्थली थी और इस जगह का नाम था सुरेश्वरी। इस लेक को धरती के स्वर्ग के रूप में प्रसिद्ध जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर का गहना यूं ही नहीं कहा जाता। श्रीनगर की खूबसूरती को चरम पर पहुंचाने वाली इस लेक का क्षेत्रफल भी लगभग 18 वर्ग किलोमीटर है। इसकी लंबाई 15.5 किलोमीटर है और यह श्रीनगर के गले में हार की तरह दिखता है, जिस कारण इसे श्रीनगर का गहना भी कहा जाता है। लेक में तैरते हाउसबोट और शिकारे पर्यटकों को दुनिया से अलग शांति, सुकून और मनमोहक खूबसूरती से भरी एक ऐसी दुनिया में होने का अहसास कराते हैं, जिससे कभी दूर होने का मन न करे। यहां आकर आप हाउसबोट मे ठहरेंगे तो आपको 'सोचो कि झीलों का शहर हो, लहरों पर अपना एक घर हो...' गाना पीछे छूटता महसूस होगा। कश्मीर पहुंचने के लिए तमाम बड़े शहरों से विमान सेवाएं तो हैं ही, यहां की विंटर राजधानी जम्मू तक रेल सेवाएं भी बहुत अच्छी हैं।

लेक पिछौला - उदयपुर की शान

झीलों के शहर के नाम से प्रसिद्ध उदयपुर दुनियाभर के पर्यटकों में खासा लोकप्रिय है। इस शहर की हवेलियां और किले तो पर्यटकों में लोकप्रिय हैं ही, यहां की झीलें भी इस शहर को झीलों का शहर कहलाने का गौरव प्रदान करती हैं। खासकर पिछौला झील तो सर्वाधिक लोकप्रिय है। यहां से लौटने के वर्षों बाद खासकर इस नीली झील की खूबसूरती को भूल पाना आपके लिए संभव नहीं हो पाएगा। चार किलोमीटर लंबी और तीन किलीमीटर चौड़ी इस झील में जैसे एक पूरा संसार है। संसार भी ऐसा, जहां समय को एन्जॉय करने के तमाम साधन मौजूद हों। जी हां, इस झील में एक होटल है और आस्था से गहरे जुड़े प्रसिद्ध जग मंदिर भी। पिछौला गांव के नाम पर प्रसिद्ध यह झील आज जहां है, कभी उसका बड़ा हिस्सा पिछौला गांव था। महाराजा उदय सिंह ने शहर की स्थापना के बाद शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाने के उद्देश्य से यहां पहले से स्थित झील को बड़ा करवाया। उदयपुर पहुंच कर आप झील को देख कर रोमांचित तो होंगे ही, लहरों के बीच बने सुविधा सम्पन्न घर (होटल) में ठहर कर पानी के बीच बेहतरीन घर में ठहरने का आनन्द भी प्राप्त कर सकेंगे।

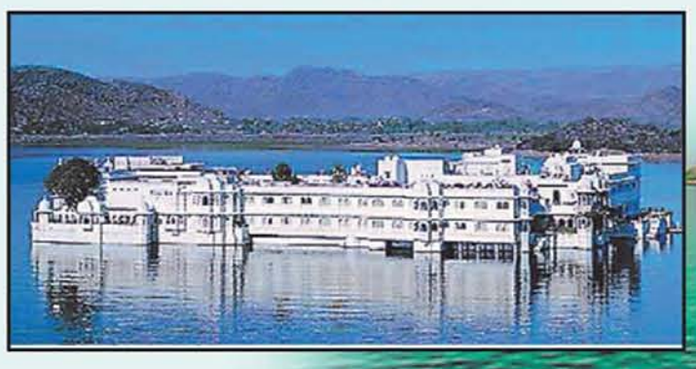

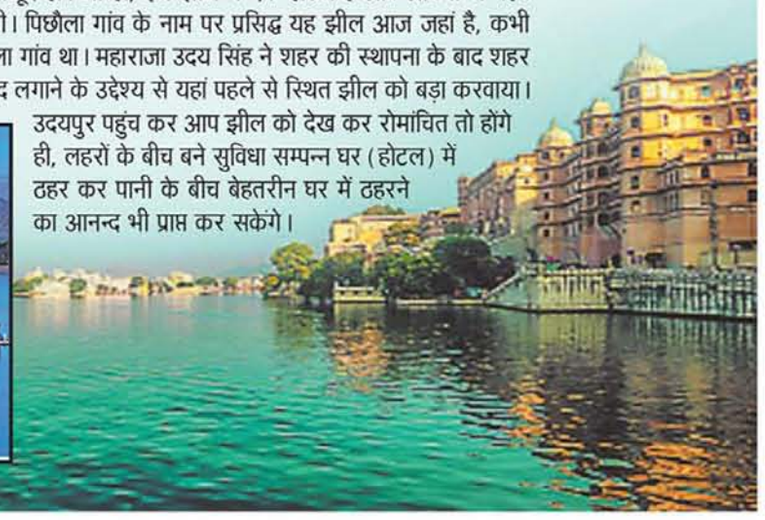

पुष्कर - ब्रह्मा के कमल से बनी पवित्र झील

राजस्थान में किले और ऐतिहासिक इमारतें तो बहुत हैं, एक ऐसी धार्मिक झील भी है, जिसे हर टूरिस्ट देखना चाहता है। पुष्कर में स्थित इस झील को पर्यटक पुष्कर झील के नाम से तो जानते ही हैं, इसे ब्रह्मा झील भी कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि यह झील ब्रह्माजी के कमल फूल से बनी है। राजस्थान के पुष्कर में हर वर्ष नवम्बर में लगने वाले मेले में जहां तरह तरह के सजे-संवरे ऊंटों की बड़ी संख्या होती है। लगभग दो किलोमीटर क्षेत्रफल में फैली इस लेक की सुंदरता इन पहाड़ियों से घिरे होने के कारण और बढ़ गई है। दिल्ली से लगभग 400 किमी और अजमेर से 11 किमी की दूरी पर स्थित इस धार्मिक लेक के बारे मान्यता है कि ब्रह्माजी के हाथ से यहां कमल गिरने के कारण इसका निर्माण हुआ। इस लेक के किनारे 52 स्नान घाट हैं। पुष्कर जाने के लिए दिल्ली से अजमेर के लिए रेल बस सेवाओं की कमी नहीं। अजमेर से यातायात के और भी साधन मिल जाते हैं और वहां ठहरने के लिए भी राजस्थान टूरिज्म की ओर से काफी व्यवस्था की गई है।

हैदराबाद सिटी के मध्य में 24 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैली हुसैन सागर लेक की खूबसूरती ऐसी है कि एक नजर देख कर ही आप मोहित हो जाएं। इंसानों द्वारा निर्मित इस लेक को सरकार ने देश की बेहद खूबसूरत राष्ट्रीय धरोहरों में से एक घोषित किया हुआ है। इस लेक का निर्माण सुल्तान इब्राहिम कुतुब शाह ने 1562 में करवाया था। तब इस लेक का निर्माण ढाई लाख रुपए खर्च कर पीने के पानी के स्रोत के रूप में किया गया था, लेकिन नेशनल लेक कंजर्वेशन प्लान के तहत संरक्षित यह लेक अब आंध्र प्रदेश की वित्तीय व्यवस्था में अहम भूमिका निभाती है। यहां काफी संख्या में पर्यटक आते हैं। लेक के बीचोबीच स्थित 18 मीटर ऊंची भगवान बुद्ध की प्रतिमा एक तरह से इस लेक की खास पहचान बन चुकी है। हैदराबाद के लिए देश के तमाम बड़े शहरों से विमान सेवा और रेल सेवा भी उपलब्ध है।

नक्की लेक

राजस्थान के माउंट आबू में स्थित नक्की लेक यहां आने वाले पर्यटकों की खास पसंद बन जाती है। अनेक मंदिरों और आध्यात्मिक स्थलों के बीच स्थित इस लेक का महत्व इस कारण भी है, क्योंकि मान्यताओं के अनुसार इसकी खुदाई देवताओं ने अपने नाखूनों से की है। राजस्थान के एकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू जाएं और नक्की लेक न देख पाएं तो समझो कि आपने माउंट आबू को पूरा एन्जॉय किया ही नहीं। माउंट आबू की आध्यात्मिक और मनमोहक आबोहवा के बीच अनेक ऐतिहासिक मंदिर तो हैं ही, ऋषि-मुनियों और देवताओं की स्थली कही जाने वाली इस जगह पर देवताओं द्वारा तैयार यह लेक भी खूब लोकप्रिय है। यह लेक अरावली पर्वत सीरीज की पहाड़ियों के बीच बसी है, जिस कारण इसकी खूबसूरती सर चढ़ कर बोलती है। लगभग एक किलोमीटर लंबी और 500 मीटर चौड़ी यह लेक खूबसूरती की तमाम विशेषताओं के कारण आपकी नजरों में बसे बगैर नहीं रहती। बस, आप एक बार इस लेक के किनारे बने वॉकिंग ट्रैक पर घूम लें और खासकर शाम के समय किनारे पर बने रेस्तरां में खूब खाते-पीते हुए इस लेक को निहार लें। राजस्थान टूरिज्म द्वारा लेक के बीच में बनाया गया फाउंटेन भी इसके आकर्षण में वृद्धि करता है।

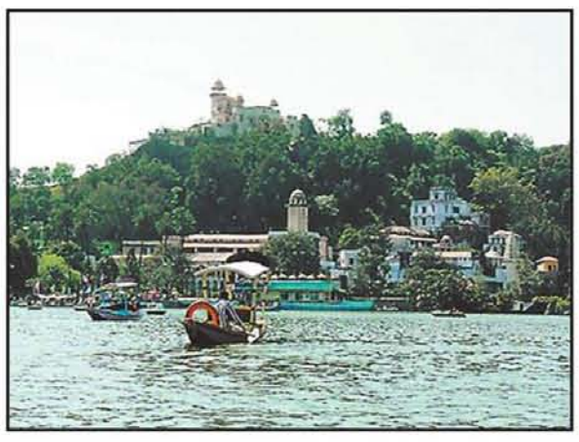

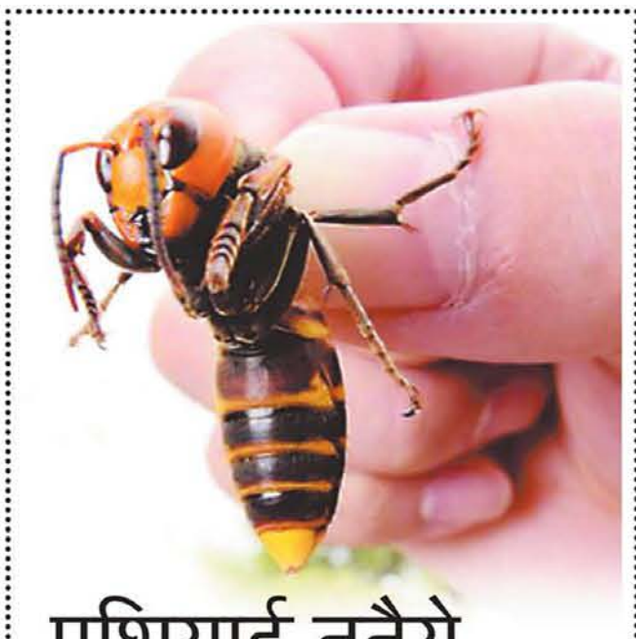

एशियाई ततैये बने फ्रांस के दुश्मन

करीब दस साल पहले वे चीन से मिट्टी के बर्तन की खेप के जरिए दक्षिण पश्चिम फ्रांस में पहुंचे। उसके बाद से तो उन्होंने आधे से अधिक देश में घुसपैठ कर दी। फ्रांस के इस दुश्मन का नाम एशियाई ततैया है। फ्रांस के कुछ इलाकों में एशियन हॉर्नेट (ततैया) या वेस्पा वेलुटिना निग्रीथोराक्स को जनता का दुश्मन माना जाता है। खतरनाक ततैये मधुमक्खियों को निगल जाते हैं और ये जैव विविधता के लिए खतरा हैं। कीट नियंत्रक एटिने रोमालिहा का काम अटलांटिक तट के लांडेस प्रांत में रोजाना इन ततैयों के 6 घोंसलों को नष्ट करना है। हर घोंसले में हजारों ततैये हो सकते हैं। आमतौर पर ये ततैये पेड़ों की ऊंची-ऊंची शाखाओं पर अपना घर बनाते हैं परंतु वे हर जगह मिल जाते हैं, -गार्डन शैड, लैटर बॉक्स, कार के रेडिएटर और पानी के डिब्बे में। एटिने इनको मारने के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल कर चुके हैं लेकिन वह पेड़ों की शाखाओं में फंस जाते हैं। ड्रोन के इस्तेमाल के लिए परमिट मिलना आसान नहीं। वहीं एक मधुमक्खी पालक फ्रांसिस इथुरबरू इन खतरनाक ततैयों को मारने के लिए अलग हथियार का इस्तेमाल करते हैं। मुर्गी के चूजों को ततैये पसंद हैं और जब ततैये मधुमक्खियों पर हमला करते हैं तो वे चूजों का भी खाना बन जाते हैं। मधुमक्खी के छत्ते के पास ततैये हैलीकाप्टर की तरह घूमते हैं जिससे उन्हें मधुमक्खियों पर हमले करने में आसानी होती है लेकिन ये भूखे चूजों के आसानी से शिकार हो जाते हैं। यह एक दिलचस्प प्रजाति है, वे जिस तरह से अपने घोंसले बनाते हैं वह अद्भुत है लेकिन वे एक समस्या बन गए हैं। 2012 में फ्रांस ने इस कीट को मधुमक्खी पालन के लिए हानिकारक करार दिया। एशियाई ततैये अब यूरोप में फैलते जा रहे हैं। वे स्पेन, पुर्तगाल और इटली तक भी पहुंच गए हैं। बैल्जियम में भी इनके नजर आने का दावा किया जा रहा है जहां अप्रैल में इन्हें ब्लैकलिस्ट में डाल दिया था। ब्रिटिश संसद की रिपोर्ट में कहा गया था कि इंगलिश चैनल को ये जानलेवा घुसपैठिए जल्द पार कर सकते हैं और ब्रिटिश तटों पर डेरा जमा सकते हैं। यह प्रजाति हर परिस्थिति में अपने आपको ढाल लेती है और करीब-करीब कहीं भी अपने आपको जिंदा रख लेती है। एशियाई ततैये अफगानिस्तान से लेकर भारत व चीन तक में पाए जाते हैं जो ततैयों की सर्वाधिक आक्रामक प्रजातियों में से एक हैं। ये यूरोपीय देशों के अलावा दक्षिण कोरिया में भी पहुंच चुके हैं। वहां भी ये अक्सर शहद तैयार करने वाली मधुमक्खियों पर हमला करते हैं और उन्हें मार डालते हैं। वैसे कई बार देखा गया है कि एशियाई ततैयों से बचने के लिए कुछ मधुमक्खियां इन्हें चारों तरफ से घेर कर एक गेंद-सी बना लेती हैं जिसके भीतर का तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाता है जिससे ततैया मर जाती है परंतु फिलहाल तो ये मधुमक्खियों के लिए ही बड़ा खतरा हैं।

वूलर लेक, देश की सबसे बड़ी फ्रेश वॉटर लेक

कश्मीर से 50 किलोमीटर की दूरी पर झेलम नदी से लगी इस लेक के लिए पर्यटक सामान्य तौर पर एक ही दिन का कार्यक्रम बनाते हैं और डे टूर के बाद वापस श्रीनगर आ जाते हैं। लेकिन जिन पर्यटकों की झीलों में गहरी रुचि होती है, वे भारत के सबसे बड़ी फ्रेश वॉटर लेक के रूप में प्रसिद्ध इस लेक के पास ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं। लगभग 200 वर्ग किलोमीटर में फैली इस लेक में बोटिंग व अन्य सुविधाएं तो हैं ही, जम्मू-कश्मीर टूरिज्म द्वारा रहने आदि की भी काफी अच्छी व्यवस्था की गई है। इसे पिकनिक स्पॉट के रूप में खासी लोकप्रियता मिली हुई है। इस कारण जो भी पर्यटक खासकर जून से अगस्त के बीच कश्मीर पहुंचते हैं, एक दिन यहां के टूर की योजना जरूर बनाते हैं। खासकर रचनात्मक व्यक्ति के लिए भीड़ से अलग इस विशाल लेक के पास ठहरना अलग ही अनुभव होता है, क्योंकि यहां चलने वाली हवा उनकी रचनात्मकता को गति तो प्रदान करती ही है, स्वास्थ्य की दृष्टि से भी मन को खूब भाती है। इस लेक के पास बारामूला, बांदीपुर, शादीपुर, सोपूर आदि को देखना भी पर्यटकों को खूब पसंद आता है।

कोहराम मचा रहे हैं अंश तिवारी

आजकल अवधि मे भौकाल टाईप के गानो को खूब पसंद किया जा रहा हैं. एक तरफ जहाँ अनुराग पंडित अपने गानो से लोगो को लुभा रहे हैं तो दूसरी तरफ दबदबा फेम सिंगर अभिषेक शुक्ला. इन दोनों के साथ एक तीसरे गायक अंश तिवारी ने भी दर्शकों के बीच कोहराम मचाना शुरु कर दिया हैं.

अंश तिवारी का एक सांग आज कोहराम मचेगा अभी रिलीज नहीं हुआ हैं लेकिन उस गाने के रील्स को सोशल मीडिया पर डाला गया हैं जो काफी वायरल हो गया हैं. अंश का पिछला सांग भौकाल हमेशा जारी भी काफी धूम मचा चुका हैं. इस गाने पर भी काफी रील्स बने थे. अंश तिवारी ने बताया की रील्स पर इस गाने को मिली लोकप्रियता से वे काफ़ी उत्साहित हैं. दर्शक भी लाखो की तादत मे कमेंट कर पूरा सांग देखने की मांग कर रहे हैं.. इसीलिए जल्द ही गाने को यु ट्यूब पर रिलीज किया जायेगा. उन्होंने बताया की अवधि के दर्शकों की पसन्द काफी अलग हैं और वे उन गानो को अधिक पसंद करते हैं जिनसे खुद को जोड़ पाते हैं.

छठी मईया के आसरा पर प्राची सिंह

कम समय मे ही भोजपुरी फ़िल्म जगत मे मुक़्क़मल स्थान हासिल कर चुकी अभिनेत्री प्राची सिंह इन दिनों बिहार मे लागल बा आसरा छठ मईया की शूटिंग मे व्यस्त हैं. निर्देशक विष्णु शंकर बेलु की फ़िल्म की शूटिंग पूरी कर सिवान पहुंची प्राची ने बताया की इस फ़िल्म की शूटिंग का प्रथम चरण पहले ही संपन्न हो गया था अब बाकी बचे भाग की शूटिंग चल रही हैं.

निर्माता सीमा श्रीवास्तव और निर्देशक विजय श्रीवास्तव की इस फ़िल्म मे प्राची मुख्य भूमिका मे हैं जबकि अन्य मुख्य कलाकारों मे एचआरपी बाबू, विनोद मिश्रा, भगवान जी पांडे, पूनम राय, सोनी पटेल, बुलेट शर्मा, कविता शर्मा, विनोद सम्राट आदि हैं. फ़िल्म का निर्माण हरिवंश एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा हैं. प्राची ने बताया की अब तक जितनी भी फिल्मे उन्होंने की सबमे किसी ना किसी स्टार की बहन या बेटी की भूमिका मे थी पर लागल बा आसरा छठ मईया के मे वह एक ऐसी महिला के किरदार मे हैं जो प्रेग्नेंट हैं और अपने ससुराल वालो की सताई हुई हैं. प्राची ने बताया की उसके लिए यह किरदार चुनौती से भरा था लेकिन निर्माता निर्देशक व कलाकारों के सहयोग से चुनौती आसान हो गई. आपको बता दें की फ़िल्म छठ के अवसर पर रिलीज होंगी.

बड़े पर्दे पर दिखेगी सपना चौधरी की जिंदगी की झलक

हरियाणवी डांसर सपना चौधरी की काफी फैन फॉलोइंग है। वह रियलिटी शो बिग बॉस 11 का भी हिस्सा रह चुकी हैं। अब सपना चौधरी की बायोपिक आ रही है, जिसका नाम मैडम सपना है। इसे महेश भट्ट विनय भारद्वाज के साथ डायरेक्ट कर रहे हैं। इस बायोपिक में सपना चौधरी की जर्नी के बारे में बताया जाएगा। टीजर की शुरुआत होती है कुछ न्यूज से जिसमें बताया गया है कि कॉन्सर्ट डांसर्स के साथ गलत हो रहा है। किसी को गोली मारी गई है तो किसी के साथ रेप हुआ है। इसके बाद सपना बोलती हैं कि इन सबसे परेशान होकर मैंने सुसाइड भी किया। वहां काम करना जहां लड़कियों को सीढ़ियां तक उतरने की इजाजत नहीं।

मैं रुकी नहीं और आज मैं उस मुकाम तक हूं कि आज मैं हरियाणा के जिस स्टेज पर चढ़ती हूं तो लोग मुझे मैडम सपना करके बोलते हैं। जितना भी स्ट्रगल किया, मैडम सपना तक आकर सब खत्म हो जाता है। टीजर में सपना की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बारे में बताया गया है, जिसमें उनके ऑर्केस्ट्रा डांसर से लेकर कान्स के ग्लैमरस रेड कार्पेट पर छा जाने तक के सफर को दिखाया जाएगा। 'मैडम सपना' बायोपिक के बारे में बात करते हुए महेश भट्ट ने कहा, 'सपना की कहानी सिर्फ व्यक्तिगत जीत की कहानी नहीं है, बल्कि हमारे समाज के बदलते डायनमिक्स का भी रिफ्लेक्शन है।' वहीं, विनय भारद्वाज ने बताया कि हमें सपना की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने पर सम्मान मिला है। हरियाणा में ऑर्केस्ट्रा डांसर से लेकर नेशनल आइकन बनने तक का उनका सफर असाधारण से कम नहीं है। यह फिल्म हरियाणवी संस्कृति, संगीत का उत्सव होगी। सपना ने अपनी बायोपिक के बारे में ऐलान करते हुए लिखा है कि मैं कौन हूं? मैं कहां से आई हूं और कहां जा रही हूं? यह बायोपिक सिर्फ एक फिल्म नहीं है- यह मेरे संघर्षों, सपनों और उस रास्ते की परछाई है जिसे मैंने पार किया है। हर चुनौती में आपका समर्थन मेरी ताकत रहा है। जैसे-जैसे मेरी कहानी स्क्रीन पर आ रही है, आपकी प्रेम और प्रोत्साहन की मुझे और जरूरत है।

कजरा मोहब्बत वाला में दिखा पावर स्टार का पावर

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार पवन सिंह का नया गाना "कजरा मोहब्बत वाला"रिलीज होते ही इंटरनेट पर वायरल हो गया है। गाने ने रिलीज के साथ ही यूट्यूब पर धमाल मचा दिया, और लाखों व्यूज हासिल किए हैं। पवन सिंह की दमदार आवाज और म्यूजिक वीडियो में उनकी जबरदस्त परफॉर्मेंस ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया हैं.

गाना सारेगामा हम भोजपुरी से रिलीज हुआ है। गाने को लेकर पवन सिंह ने कहा, ₹कजरा मोहब्बत वाला मेरे दिल के बहुत करीब है। इस गाने में मैंने और पूरी टीम ने बहुत मेहनत की है, और फैंस से मिल रहा प्यार हमें और भी बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करता है। शिल्पी राज के साथ गाने का अनुभव शानदार रहा, और मुझे खुशी है कि यह गाना दर्शकों को पसंद आ रहा है। यह गाना एक रोमांटिक अंदाज के साथ साथ धमाकेदार भी है, जिसमें पवन सिंह का स्वैग और अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया पर भी गाने की चर्चा तेजी से फैल रही है, और फैंस गाने की धुनों पर रील्स और वीडियो बना रहे हैं। गाने की सफलता पर पवन सिंह ने अपने फैंस का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके प्यार और समर्थन के बिना यह मुमकिन नहीं था। गाने को गायक पवन सिंह और शिल्पी राज हैं। गीतकर आशुतोष तिवारी और संगीतकार प्रियांशु सिंह हैं। गाने में पवन सिंह के साथ सुभाश्री परफॉर्म कर रही हैं। निर्देशक और कोरियोग्राफर लक्की विश्वकर्मा हैं।

सूर्यवंशम का जलवा दूसरे सप्ताह भी जारी

पवन सिंह स्टारर इस फ़िल्म के निर्माता हैं निशांत उज्जवल

पावर स्टार पवन सिंह की फिल्म "सूर्यवंशम" ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाते हुए दूसरे सप्ताह में भी अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है। निर्माता निशांत उज्जवल द्वारा निर्मित इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है, और सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ लगातार उमड़ रही है। इसको लेकर निर्माता निशांत उज्जवल ने कहा, "सूर्यवंशम को मिल रहे जबरदस्त प्यार और समर्थन से मैं अभिभूत हूं।

उन्होंने कहा कि फिल्म की दमदार कहानी, पवन सिंह की शानदार अभिनय कला और प्रभावशाली एक्शन सीक्वेंस ने दर्शकों को बांधकर रखा है। फिल्म समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया और दर्शकों के जबरदस्त समर्थन के चलते ₹सूर्यवंशम₹ बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। सूर्यवंशम का निर्माण यशी फिल्म्स (अभय सिन्हा) और रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले हुआ है। फिल्म के निर्माता निशांत उज्जवल हैं, जबकि निर्देशन की कमान रजनीश मिश्रा ने संभाली है। उन्होंने इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। फिल्म में पवन सिंह के साथ आस्था सिंह, शालू सिंह, चांदनी सिंह, गोपाल जी, माया यादव, अनूप अरोरा, राम सुजान सिंह, जोया खान, और धामा वर्मा जैसे कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म के सह-निर्माता डॉ. संदीप उज्जवल और सुशांत उज्जवल हैं, और डीओपी की भूमिका देवेंद्र तिवारी ने निभाई है। एडिटिंग का काम कोमल वर्मा ने किया है। फिल्म का संगीत रजनीश मिश्रा और एसबीआर द्वारा तैयार किया गया है, और इसके गाने प्यारेलाल यादव, विजय चौहान, रौशन सिंह विश्वास, और प्रफुल्ल तिवारी ने लिखे हैं। फिल्म के कोरियोग्राफी कानू मुखर्जी, रिकी गुप्ता, और रवि पंडित ने की है। पीआरओ रंजन सिन्हा हैं, और कला निर्देशन नजीर शेख ने किया है। कार्यकारी निर्माता हसन शेख और रमेश चौरसिया हैं।

एक बहू ऐसी भी का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर

वर्ल्डवाइड फिल्म्स प्रोडक्शन और मैडज़ मूवीज़ के बैनर तले बनी फिल्म एक बहू ऐसी भी का वर्ल्ड टेलिविजन प्रीमियर आगामी 7 सितंबर, शनिवार को होगा। फिल्म का प्रसारण भोजपुरी सिनेमा और दंगल एप पर शाम 6 बजे से किया जाएगा।

भोजपुरी के दर्शक इस फिल्म को दोबारा अपने परिवार के साथ मिलकर 8 सितंबर को सुबह 10 बजे बजे से भी देख पाएंगे। इसकी जानकारी फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह, विनय सिंह, समीर आफताब, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह ने संयुक्त रूप से दी।

उन्होंने कहा, हम दर्शकों को इस फिल्म के माध्यम से एक सशक्त संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, जो सामाजिक मूल्यों और पारिवारिक रिश्तों को बखूबी दर्शाती है। हमें उम्मीद है कि दर्शक इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी लगन और मेहनत से हमने इसे बनाया है।

उन्होंने आगे कहा, ₹भोजपुरी सिनेमा का यह कदम दर्शकों के मनोरंजन के साथ-साथ एक नई दिशा देने की कोशिश है, और हमें विश्वास है कि इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार और समर्थन मिलेगा।

आपको बता दें कि इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण कुमार गुड्डी हैं, जो एक से बढ़कर एक पारिवारिक और सामाजिक फिल्मों का सफल निर्माण कर चुके हैं। फिल्म में रिचा दीक्षित, अंशुमान सिंह, रितेश उपाध्याय, निशा सिंह, मनोज टाइगर, श्रद्धा नवल, सोनिया मिश्रा, रिंकू भारती, संतोष श्रीवास्तव और पुष्पेंद्र राय जैसे प्रमुख कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के लेखक इंद्रजीत एस कुमार हैं, संगीत साजन मिश्रा ने दिया है, और गीत दुर्गेश भट्ट द्वारा लिखे गए हैं। फिल्म की छायांकन माही शेरला द्वारा की गई है.जबकि संकलन गुर्जट सिंह ने किया है।

नृत्य निर्देशन कानू मुखर्जी और सोनू ने किया है, जबकि कला निर्देशन रणधीर एन दास के द्वारा किया गया है। एक्शन निर्देशन दिनेश यादव और पार्श्व संगीत राजा राम यादव ने दिया है।

नाम में ही तो सब रखा है...

विलियम शेक्सपियर ने अपने नाटक रोमियो और जूलियट में एक पंक्ति का इस्तेमाल किया था " नाम मे क्या रखा हैं ". उनके कहने का भाव था, नाम सुंदर होने से मनुष्य का चरित्र सुंदर नहीं हो जाता.. दूसरी तरफ एक कहावत हम बचपन से सुनते आ रहे हैं " आँख का अंधा नाम नयन सुख " दोनों का भाव एक ही हैं. जिसका मतलब हैं नाम मे कुछ नहीं रखा हैं लेकिन आज की तारीख मे यह पूरी तरह से प्रासंगिक हैं. चाहे बॉलीवुड ले या भोजपुरी इंडस्ट्री, इन दिनों नाम के कारण ही यहाँ का पारा गरम हैं . पहले बात करते हैं बॉलीवुड की. एक निर्देशक हैं अनुभव सिन्हा. कई फिल्मे बना चुके हैं और वामपंथी विचार धारा को मानते हैं. अब उनकी विचारधारा वामपंथी हैं तो जाहिर हैं अपना काम भी वो इसी के इर्द गिर्द रखेंगे. उन्होंने एक वेब सीरीज बनाई तो बड़ी चालाकी से दो आतंकवादियों का नाम बदल कर भोला और शंकर रख दिया.

फिर क्या था, मच गया बबाल. सीरीज को बैठे बिठाये पब्लिसिटी मिल गई और गुमनाम अनुभव सिन्हा एक बार फिर चर्चा मे आ गए. हालांकि नेट फ्लिक्स को बाद मे इसके लिए सफाई देनी पड़ी और सीरीज मे डिस्कलेमर डालना पड़ा. नाम का यह विवाद पूरी तरह से प्रायोजित था. अनुभव सिन्हा को पता था वे सत्य कथा को परदे पर उतारने जा रहे हैं और उनकी विचार धारा आंतकवादियों को मोरल सपोर्ट देती रही हैं और इस सीरीज मे उन्होंने अपना विचार धारा लागू भी किया. ये अलग बात हैं की भोला शंकर नाम ने उस पहलू को दबा दिया. खैर बढ़ते हैं हम आगे भोजपुरी की तरफ. मै पहले भी कई बार इस मुद्दे पर काफी कुछ लिख चुका हूं. भोजपुरी मे इन दिनों दो तरह की फिल्मे बन रही हैं. एक टीवी चैनल्स की फिल्मे तो दूसरी आम फिल्मे. टीवी की फिल्मो का अपना एक दायरा हैं. दर्शक भी फिक्स हैं.

भोजपुरी टीवी जगत ने एक नये दर्शकों को टारगेट किया वो दर्शक थी महिलाये. यह एक कड़वी सच्चाई हैं की भोजपुरी मनोरंजन जगत ने तीसरे चरण मे शुरू से ही महिलाओ को अनदेखा किया और वे महिलाये पूरी तरह से एकता कपूर के सीरियल पर अपने मनोरंजन के लिए आश्रित थी. महुआ टीवी के शुरुआत पर लगा था अब महिलाये घर बैठे अपनी भाषा मे मनोरंजन पा सकेंगी लेकिन शुरू के एक दो साल तो सही था पर उस चैनल को भी ग्रहण लग गया. नतीजा महिलाओ का उनकी भाषा मे मनोरंजन का लुप्त होना.

बाते सिनेमा की
उदय भगत

महिलाये झुंड के झुंड सिनेमा हॉल जाती लेकिन उनको उनकी पसंद वहां नहीं मिलती थी क्यूंकि फ़िल्म बनाने वाले युवा वर्ग को ध्यान मे रख कर फ़िल्म बनाते थे. हर फ़िल्म को ए सर्टिफिकेट मिलता था जो युवाओं को काफी पसंद आता था.

नतीजा महिलाओ ने सिनेमा हॉल जाना बंद कर दिया. उसी समय भोजपुरी मे मूवी चैनल्स का उदय हुआ.

शुरुआत मे उन मूवी चैनल के पास भी वही फिल्मे आती थी जिसे महिलाओ ने सिनेमा घरों मे नकार दिया था. निरहुआ हिंदुस्तानी, राजा बाबु, जैसी कुछ फिल्मे अपवाद स्वरुप थी. इसके बाद शुरू हुई टीवी के लिए सामाजिक फिल्मो के निर्माण का दौर जिसने महिलाओ के मनोरंजन की रिक्तता को खत्म कर दिया. लेकिन सामजिक फिल्मो के नाम पर बनने वाली पारिवारिक फिल्मो को भी महिला दर्शकों ने काफी पसंद किया. अब हालात ये हैं की सास बहु के नाम पर अजीबोगरीब नाम वाली फिल्मो का चलन शुरू हो गया. जैसे बुलडोजर वाली सास, क्रन्तिकारी बहु. सोशल मीडिया पर इन नामो का जमकर मज़ाक भी उड़ाया जाता है लेकिन चैनल को फायदा ऐसी ही फिल्मो मे हैं तो उनकी अपनी व्यावसायिक मजबूरी हैं. निर्माताओं को अपने पॉकेट भरने से मतलब हैं. हकीकत मे निर्माता अब निर्माता नहीं भेंडर बन चुके हैं. कहने का मतलब हैं की अगर इन फिल्मो को अगर बिहार यु पी की एक प्रतिशत महिलाये भी देख रही हैं तो चैनल का यह प्रयोग सफल हैं और उनका नाम भी सफल हैं. इसीलिए सिनेमा हॉल की फिल्मो के लिए जिस तरह सुपर स्टार्स के नाम की जरुरत पडती थी उसी तरह टीवी की फिल्मो को भी अब इसी तरह के नाम की जरुरत पड़ रही हैं. इसीलिए कह सकते हैं नाम मे ही तो सब कुछ हैं.

अपने खांटी गानों से अलख जगा रहीं सुनीता यादव

भोजपुरी गानो पर अश्लीलता का आरोप लगता रहा हैं क्यूंकि जीतने भी स्टार गायक हैं कहीं ना कहीं वो अश्लील या डबल मीनिंग गाने गाकर ही मशहूर हुए हैं लेकिन हकीकत तो यह हैं की भोजपुरी गीत संगीत काफी समृद्ध हैं. यह एकमात्र भाषाई संगीत हैं जो हर मौके पर गाया जाता हैं लेकिन यह विडंबना ही कही जायेगी की भोजपुरी का परंपरागत गीत अपना अस्तित्व खोता जा रहा हैं. इन्हीं सबके बीच कुछ गायक ऐसे भी हैं जो लगातार पारम्परिक गीतों के माध्यम से ही अपनी संस्कृति को बचाने की मुहीम चला रहे हैं.

उन्ही मे से एक नाम हैं सुनीता यादव का. मूलतः मऊ निवासी लेकिन लखनऊ मे रह रही सुनीता यादव अवधि और भोजपुरी दोनों ही भाषा की पारम्परिक गीतों को पिछले 18 बरसों से गाती आ रही हैं. मात्र 15 साल की उम्र से गोरखपुर दूरदर्शन से अपने गायकी का सफर शुरू करने वाली सुनीता यादव ने ही पहली बार जिउतीया का गीत गाया जो काफी सफल रही. इसके बाद उन्होंने टी सीरीज वेव म्यूजिक सहित कई बड़ी कंपनियों के लिए खांटी गीत गाये. एक प्रशासनिक अधिकारी की पत्नी सुनीता यादव ने सैकड़ो गीत गाये हैं लेकिन सभी या तो धार्मिक या पारम्परिक रहे हैं. भोजपुरी से अश्लीलता समाप्त करने और आने वाली पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से अवगत कराने के लिए उन्होंने अपना खांटी म्यूजिक वर्ल्ड भी शुरू किया हैं जिसके माध्यम से वह आने वाली पीढ़ी को अपने पारम्परिक गीतों से अवगत कराना चाहती हैं. उन्होंने बताया संगीत उनके लिए व्यवसाय नहीं बल्कि साधना हैं और वे हमेशा अपनी संस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने के दिशा मे ही काम करेंगी.

'अभिभावक बच्चों के प्रति रहें संवेदनशील, कठोरता पड़ेगी घातक'

नोएडा पुलिस कमिश्नर का अभिभावकों को संदेश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-56 स्थित उत्तराखंड पब्लिक स्कूल के लापता दो छात्र सकुशल मिल गए हैं। दोनों बच्चों के मिलने के बाद नोएडा पुलिस ने राहत की सांस ली है। वहीं बच्चों के परिजन भी खुश हैं। इस पूरे प्रकरण के बाद नोएडा (गौतमबुद्धनगर) पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने सभी अभिभावकों को एक संदेश दिया है। संदेश में पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि बच्चों के साथ कठोरता घातक बन सकती है।

आपको बता दें कि सेक्टर-58 थाना क्षेत्र से लापता दोनों छात्रों को नोएडा पुलिस ने अथक मेहनत के बाद सकुशल बरामद कर लिया है। एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि लापता छात्रों को ढूंढने के लिए पुलिस की पांच टीमें लगाई गई थीं। दोनों छात्रों को दिल्ली के आनंद बिहार रेलवे स्टेशन के बाहर से सकुशल ढूंढ लिया गया है। छात्रों का पता लगाने के लिए नोएडा पुलिस ने 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले थे। नोएडा पुलिस ने नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर सादी वर्दी में पुलिसकर्मी भेजे। पुलिस को आशंका थी कि पुलिस को देख दोनों बच्चे छिप सकते हैं।

एडीसीपी ने बताया कि एसीपी के नेतृत्व में 5 टीमें गठित की गई थीं। उन्होंने बताया कि यूटी टेस्ट में कक्षा-8 के छात्र अंकित चौरसिया तथा नैतिक ध्यानी के कम नंबर आए थे। परिजनों के भय से दोनों छात्र स्कूल के पीछे के गेट से निकल कर चले गए थे। बच्चों को ढूंढकर परिजनों के हवाले कर दिया गया है। गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर ने पूरी पुलिस टीम को 20 हजार रूपये नगद ईनाम देने के लिए कहा है।

पुलिस कमिश्नर ने बच्चों से की मुलाकात, समझाया भी

नोएडा की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह ने अपने कार्यालय में दोनों छात्रों नैतिक ध्यानी व अंकित चौरसिया तथा उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने दोनों बच्चों को समझाया कि पढ़ाई में फेल होने पर डरना नहीं चाहिए, असफलता से हमें सीख कर सफलता का रास्ता तय करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। सीपी ने बच्चों को ढूंढने वाले जोन-1 की पुलिस टीम को भी सराहा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने सभी अभिभावकों को संदेश देते हुए कहा कि सभी अभिभावक अपने बच्चों के प्रति संवेदनशील बनें तथा उनके साथ किसी भी तरीके की शाब्दिक व शारीरिक कठोरता न करें। अभिभावकों का यह कदम बच्चों के लिए घातक साबित हो सकता है। नोएडा पुलिस द्वारा दोनों बच्चों की सकुशल बरामदगी पर उप्र युवा व्यापार मंडल ने गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह, डिप्टी कमिश्नर शिव हरि मीणा व अन्य पुलिस अधिकारियों व पूरी टीम को बधाई दी है।

कैलाश अस्पताल के डाक्टरों ने 15 घंटे की सर्जरी के बाद बचाई मरीज की जान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के कैलाश अस्पताल के हृदय शल्य चिकित्सा विभाग के डाक्टरों ने 15 घंटे की जटिल सर्जरी के बाद एक मरीज को नया जीवन दिया है। कैलाश अस्पताल के मुख्य कार्डियोथोरेसिक व वस्कुलर सर्जन डा. सतीश मैथ्यू के साथ डाक्टरों की टीम ने मरीज के मुख्य महाधमनी (Aorta) में संतरे के आकार का फोड़ा होने के बावजूद मरीज की बाईपास सर्जरी की और फोड़े के एंट्री पाइट को सील कर दिया।

कैलाश अस्पताल के सभागार में डा. सतीश मैथ्यू ने पत्रकारों को संबोधित करते हुये बताया कि नोएडा में रहने वाले बिशन सिंह बिष्ट कैलाश अस्पताल में गंभीर स्थिति में आये, उनकी आवाज भी चली गयी थी, उनकी सभी जांच कर पता चला कि उनके शरीर की मुख्य महाधमनी। (Aorta) में सन्तरे के आकार का फोड़ा है। जिसके फटने से जान को खतरा है। डा. मैथ्यू ने बताया कि मरीज की कोरोनरी एन्ज्योग्राफी में पता चला कि उनके हृदय को रक्त पहुँचाने वाली दो महत्वपूर्ण धमनिया (Coronary Arteries) भी बन्द थी। जिससे हृदय आघात का खतरा भी था। डा. सतीष मैथ्यू के नेतृत्व मे हृदय षल्य चिकित्सा की टीम ने मरीज की जान के खतरे को देखते हुए तीन चरणों में सर्जरी प्लान की।

प्रथम चरण में दो बाईपास ग्राफ्ट से हृदय की रक्त वाहिनीयों को बाईपास किया गया। उसके बाद दूसरे चरण में महाधमनी से अन्य मुख्य रक्त वाहिनीयों को जो मस्तिष्क में व हाथो में रक्त पहुँचाती है को ग्राफ्ट लगाकर बाईपास किया गया। तीसरे चरण में मरीज को Cardiac Cath Lab में लेकर मुख्य महाधमनी में एक (Endograft) एन्ड्रोग्राफ्ट लगाया जिसने वह फोडे के आकार का एन्ट्री पाइन्ट एन्यूरिस्म को सील कर दिया।

डा. मैथ्यू ने बताया कि इस जटिल ऑपरेशन में 15 घन्टे का समय लगा। मरीज विशन सिंह विष्ट 7 दिन डाक्टरों एवं स्टाफ की निगरानी में रहे। उसके बाद डाक्टरों की टीम ने जांचकर सकुशल अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। मरीज के परिजनों ने डा. सतीश मैथ्यू और उनकी पूरी टीम का आभार प्रकट किया।

इस सफल ऑपरेशन में डा. सतीश मैथ्यू की अनुभवीं टीम में डा. सौरभ राय, डा. तौसीफ अख्तर, डा. रितेश अरोरा व डा0 शिरीन वर्गीस एवं परफ्यूसनिट सन्दीप कडंगा, नर्स एवं टेक्निशियन आदि शामिल रहे।

इस अवसर पर चेयरपर्सन डा. उमा शर्मा ने इस जटिल ऑपरेशन से मरीज के जान बचाने पर डा. सतीश मैथ्यू एवं उनके पूरे टीम को बधाई दी और आशा कि भविष्य में भी हृदय शल्य विभाग नये आयाम स्थापित करेगा। जिससे नोएडा एवं एनसीआर के मरीज लाभान्वित होंगे। प्रेसवार्ता के दौरान डॉ. कार्तिक शर्मा-प्रबंध निदेशक, डॉ. पल्लवी शर्मा - निदेशक, डॉ. रितु बोहरा - समूह चिकित्सा निदेशक, डा. विजय गंजू -चिकित्सा अधीक्षक आदि हृदय शल्य विभाग के स्टाफ उपस्थित रहे।

महागुन मंत्रा-2 के बायर्स का फूटा गुस्सा, बिल्डर के दफ्तर पर धरना

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की हाउसिंग सोसाइटीज में फ्लैट्स की रजिस्ट्री को लेकर बायर्स का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रेटर नोएडा सेक्टर 10 की महागुन मंत्रा 2 सोसाइटी के बायर्स ने फ्लैट मिलने के दो साल बाद भी रजिस्ट्री नहीं होने पर नोएडा के सेक्टर-63 स्थित दफ्तर पर धरना शुरू कर दिया है।

महागुन मंत्रा 2 सोसाइटी के फ्लैट बायर्स का कहना है कि कई बार टालने के बाद जुलाई माह में महागुन बिल्डर के एमडी अमित जैन के साथ उनकी बैठक हुई थी। जिसमें सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में रजिस्ट्री शुरू कराए जाने का वादा किया गया था। इसके बावजूद बिल्डर की तरफ से इस दिशा में कोई पहल नहीं की गई। बायर्स की तरफ से बार-बार याद दिलाने के बाद भी जब बिल्डर के कानों पर जूं नहीं रेंगी और सितंबर का पहला सप्ताह भी निकल गया तो गुस्सा फूट पड़ा।

महागुन मंत्रा-2 सोसाइटी के सौ से ज्यादा बायर्स बिल्डर के नोएडा के सेक्टर-63 स्थित दफ्तर पर पहुंचे और वहां धरना शुरू कर दिया। धरना देने पहुंचे लोगों में सोसाइटी के बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और युवा सभी शामिल हैं। बायर्स का कहना था कि अब वह तबतक नहीं जाएंगे जबतक कि रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू नहीं हो जाती।

महागुन मंत्रा-2 बायर्स ने बताया कि सरकार की तरफ से पहल किए जाने के बावजूद बिल्डर रजिस्ट्री की प्रक्रिया को शुरू नहीं कर रहा है। बॉयर्स ने बताया कि बिना रजिस्ट्री के फ्लैट्स की रीसेल में बिल्डर कई तरह के चार्ज लगाकर लाखों रुपए की वसूली फर्स्ट बायर्स से करता। इसी लालच में वह बायर्स को उनके ही फ्लैट्स पर अधिकार नहीं लेने दे रहा है।

महर्षिनगर में श्री गणेश महोत्सव प्रारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ में श्रीगणेश महोत्सव का आयोजन किया गया। यहां भगवान श्रीगणेश की मूर्ति की वैदिक विधि विधान से स्थापना की गई है।

महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के मीडिया प्रभारी एके लाल ने बताया कि 7 सितम्बर से 17सितंबर तक प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से मध्यान्ह 11.30 बजे तक तथा सायं 7 बजे से पूजा-अर्चना, भजन, प्रवचन, आरती होगी। प्रत्येक दिन के अनुष्ठानों और पूजा उपरांत विधि विधान से दसवें दिन भगवान गणेश की मूर्ति विसर्जित की जाएगी। महर्षि वेद विज्ञानं विद्या पीठ प्रभारी शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि इस अवसर पर श्री गणेश सार्थक शीर्षक पाठ की आवृत्ति व अभिषेक करना, गणेश पुराण का पाठ करना व सुनना मनोकामना की पूर्ति करने वाला होता है।

महर्षि नगर में आयोजित भगवान गणेश की पूजा में संस्थान अध्यक्ष अजय प्रकाश, विनीत श्रीवास्तव, विनोद श्रीवास्तव, श्रीकांत ओझा, कमलेश यादव, संतोष श्रीवास्तव, रामेंद्र सचान, गिरीश अग्निहोत्री, यादवेंद्र यादव, कमलेश यादव, राजेंद्र शुक्ला, विनोद दीक्षित सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मथुरा में हो रही है राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता

मथुरा (एजेंसी)। आरएएन पब्लिक स्कूल डिबडिबा रूद्रपुर की बालक वर्ग अंडर 17 फुटबॉल और अंडर 17 बालक वर्ग वॉलीबॉल टीम आई सी एस सी ओपन नेशनल टूर्नामेंट के लिए मथुरा के एच आर स्पोर्ट्स ग्राउंड रवाना

मथुरा के एच आर स्पोर्ट्स ग्राउंड में देश के सभी राज्यों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उत्तराखण्ड टीम के मुख्य कोच बबलू दिवाकर ने बताया की आज शाम को उत्तराखण्ड का पहला मुक़ाबला उत्तरप्रदेश और उत्तराखण्ड वॉलीबॉल टीम का पहला मुक़ाबला पंजाब की साथ होगा

बालक वर्ग : अंडर-17 फुटबॉल खेल में उत्तराखण्ड प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे। चारु रावत, अभिनव शर्मा, आर्यन धारवाल, अभिजोत सिंह, मोहम्मद उबाइश, आदित्य बिष्ट, शारांश अत्री, कार्तिक आर्य, शवद पुजारा शामिल हैं। वहीं बालक वर्ग : अंडर-17 वॉलीबॉल खेल में अतिशय जैन, मनन त्यागी, अथर्व मिश्रा, दिव्यांशु शर्मा, अध्यांश गौड़, परनीत सिंह, वंशदीप चिमा शामिल हैं।

खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए आरएएन स्कूल डिबडिबा रूद्रपुर के चेयरमैन एच के राय, डायरेक्टर

मोहित राय एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमति निधि, प्रधानाचर्या श्रीमति ममता बिष्ट एवं समस्त विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को अपनी विजयी हेतु शुभकामनाएँ दी।